Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 240
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 06 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'अजित पवार को सरकार में रहने का कोई ...
4 एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का ...
7 दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा ...

संक्षिप्त न्यूज

सीएम योगी की दहाड़ से हिल गया पाकिस्तान, कहा- बहुत जल्द खत्म होने वाला है अस्तित्व

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा में पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जल्द ही अपना अस्तित्व ही खो देगा। उनके अनुसार, एक अराजक राष्ट्र की स्थिति ठीक वैसी ही है जैसी आज पाकिस्तान की है। वह भीतर से खोखला हो चुका है और पूरी तरह से अव्यवस्थित है। ऐसी अव्यवस्था किसी भी राष्ट्र को पतन के कगार पर धकेल देती है और उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगा देती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आचार्य चाणक्य ने स्पष्ट रूप से कहा था कि आंतरिक अशांति से ग्रस्त राष्ट्र अराजक कहलाता है और ऐसा राष्ट्र अधिक समय तक नहीं टिकता। पाकिस्तान इसी स्थिति का उदाहरण है। भारत प्राचीन काल से ही ऐसी परिस्थितियों के प्रति सजग और सतर्क रहा है और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति ने पृथ्वी को अपनी माता मानने की शिक्षा दी है। यदि पृथ्वी हमारी माता है, तो कोई भी योग्य पुत्र अराजकता या उसके विरुद्ध किसी भी प्रकार का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं कर सकता। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई भारत के सम्मान, गौरव या गरिमा को ठेस पहुँचाने की हिम्मत करेगा, तो हर भारतीय उसकी रक्षा के लिए खड़ा होगा। उन्होंने याद दिलाया कि भगवान श्री राम ने राक्षसों का नाश करने और पृथ्वी को उनके अत्याचारों से मुक्त करने का संकल्प लिया था। यही संकल्प रामराज्य की नींव बना। इसी प्रकार, भारत भी अपनी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली विघटनकारी शक्तियों से खुद को मुक्त करेगा।

मिलाद-उन-नबी पर देश को पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू की शुभकामनाएं, शांति-करुणा का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिलाद-उन-नबी के अवसर पर शुक्रवार को लोगों को शुभकामनाएं दीं। यह पर्व इस्लाम के संस्थापक पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह पवित्र दिन हमारे समाज में शांति और खुशहाली लाए। करुणा, सेवा और न्याय के मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करें। ईद मुबारक।

इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को पैगंबर मुहम्मद की जयंती, ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति मुर्मू ने लोगों से पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए भाईचारे की भावना के साथ आगे बढ़ने और देश के विकास के लिए काम करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने अपनी पोस्ट में कहा, 'पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) की जयंती, ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पवित्र अवसर पर, मैं अपने सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई देती हूँ। पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) ने एकता और मानवता की सेवा का संदेश दिया।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'इस पवित्र अवसर पर, हमें उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए भाईचारे की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए।'

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी, जिसे मौलिद के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण इस्लामी उत्सव है जो पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस वर्ष, यह उत्सव गुरुवार (4 सितंबर) से शुरू हुआ और शुक्रवार (5 सितंबर) को समाप्त होगा। यह दिन दुनिया भर के मुसलमानों के लिए गहरा आध्यात्मिक महत्व रखता है, क्योंकि वे पैगंबर मुहम्मद के जीवन और शिक्षाओं का सम्मान करते हैं, जिनका निधन इसी दिन हुआ था।

इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने, रबी अल-अव्वल की 12वीं तारीख को पड़ने वाला ईद-ए-मिलाद-उन-नबी, करुणा, न्याय और दया पर पैगंबर मुहम्मद के मार्गदर्शन पर चिंतन करने का समय है। लगभग 570 ईस्वी में मक्का में जन्मे पैगंबर मुहम्मद अपने प्रेम और समानता के संदेशों के लिए पूजनीय हैं, जो आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं।

अजित पवार द्वारा महिला आईपीएस अधिकारी को डांटने वाला वीडियो वायरल

मुंबई।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष अजित पवार का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह सोलापुर जिले में अवैध मुर्रम खनन के खिलाफ कार्रवाई कर रही भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की एक महिला अधिकारी को कथित तौर पर फटकार लगाते नजर आ रहे हैं।

राकांपा ने दावा किया कि पवार का उद्देश्य कार्रवाई रोकना नहीं था, बल्कि हो सकता है कि पार्टी कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए अधिकारी को फटकार लगाई हो। साथ ही पार्टी ने आरोप लगाया कि यह वीडियो जानबूझकर लीक किया गया है।

क्षेत्रीय समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो क्लिप में पवार को करमाला की उपविभागीय पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा से एक राकांपा कार्यकर्ता के फोन पर बातचीत करते हुए दिखाया गया है।

कृष्णा पहले पवार की आवाज पहचान नहीं, जिसके बाद पवार ने वीडियो कॉल कर उनसे कथित तौर पर कार्रवाई रोकने को कहा। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील टटकरे ने कहा कि वीडियो को जानबूझकर लीक किया गया। उन्होंने कहा, ''अजित दादा ने शायद पार्टी कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए अधिकारी को फटकारा हो। उनका मकसद कार्रवाई को पूरी तरह रोकने का नहीं था।

'उपराष्ट्रपति पद राजनीतिक संस्था नहीं, बल्कि सर्वोच्च संवैधानिक निकाय'; असम में बोले सुदर्शन रेड्डी

गुवाहाटी। नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति पद के चुनावों के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों में हलचल तेज है। विपक्षी धड़े के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए अलग-अलग राज्यों का दौरा कर सांसदों से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने शुक्रवार को असम का दौरा किया। इस दौरान, सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उपराष्ट्रपति का पद कोई राजनीतिक संस्था नहीं, बल्कि एक उच्च संवैधानिक निकाय है।

गुवाहाटी में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण राजनीतिक संस्था नहीं है। इस पद पर बैठने वाले व्यक्ति में न्यायाधीश जैसी विशेषताएं होनी चाहिए। निष्पक्षता, तर्कसंगतता और वाणी व आचरण में संतुलन। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के बारे में मेरी यही समझ है

उन्होंने पहले मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) एक संवैधानिक निकाय है जिसे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व-नियोजित तरीके से किसी भी व्यक्ति को चुनाव में भाग लेने से वंचित नहीं किया जा सकता।

इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

'निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण लागू करे सरकार', कांग्रेस बोली- शीतकालीन सत्र में लाया जाए कानून

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को मोदी सरकार से मांग की कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून लाया जाए। इस अनुच्छेद के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के लिए निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान है। कांग्रेस ने दावा किया कि इन वर्गों के छात्र निजी विश्वविद्यालयों में बेहद कम संख्या में मौजूद हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में निजी शिक्षा संस्थानों की संख्या लगातार बढ़

रही है, लेकिन आर्थिक तंगी और आरक्षण लागू न होने की वजह से SC, ST और OBC वर्ग के बच्चे इन संस्थानों में पढ़ाई का अवसर नहीं पा रहे हैं। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि यूपीए सरकार ने आरक्षण का कानून बनाया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी 2008, 2011 और 2014 में वैध ठहराया।

संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला

कांग्रेस ने संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें पाया गया कि निजी शिक्षा संस्थानों में केवल 0.89% SC, 0.53% ST और 11.16% OBC छात्र हैं। आदिवासी कांग्रेस प्रमुख विक्रांत भूरिया ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने सामाजिक समानता के लिए वोट का अधिकार और आरक्षण दोनों को जरूरी बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था को निजी हाथों में सौंप रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यूपीए सरकार द्वारा बनाए गए कानून पर मोदी सरकार ने 11 साल से कोई कदम नहीं उठाया है। ओबीसी विभाग प्रमुख अनिल जयहिंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को ओबीसी बताते हैं, लेकिन उनके शासनकाल में ओबीसी समुदाय को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक मोदी सरकार 'क्रीमी लेयर' की समीक्षा तक नहीं कर पाई।

'जनता और संविधान के बीच पुल का काम करती है न्यायपालिका'

गवई बोले- मूल्यों से मजबूत होता है लोकतंत्र

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका लोगों की आकांक्षाओं और संविधान में निहित आदर्शों के बीच सेतु का काम करती है। काठमांडू में आयोजित नेपाल-भारत न्यायिक संवाद 2025 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अदालतों का काम सिर्फ विवादों का निपटारा करना नहीं है, बल्कि न्याय, समानता और मानव गरिमा के सिद्धांतों को व्यवहार में लागू करना भी है।

सीजेआई गवई ने कहा कि आज की बदलती परिस्थितियों में न्यायपालिका कानून की व्याख्या करते हुए शासन की दिशा तय करती है, लोगों का भरोसा बढ़ाती है और लोकतंत्र को केवल संस्थानों से नहीं, बल्कि मूल्यों से भी मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका अब संरक्षक और उत्प्रेरक दोनों की भूमिका निभा रही है।

पारंपरिक भूमिका से आगे

गवई ने बताया कि पहले अदालतों का काम सिर्फ कानून की किताब के शब्दों के अनुसार फैसले देना माना जाता था। लेकिन अब न्यायपालिका को कानून की गहराई और उसके प्रभाव को देखते हुए निर्णय लेने होते हैं। यही सक्रिय भूमिका उसकी पहचान बन चुकी है।

प्रशासनिक और तकनीकी सुधार

सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ फैसलों के जरिए ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक और संस्थागत सुधारों के जरिए भी लोकतंत्र और न्याय को मजबूत किया है। उन्होंने केस मैनेजमेंट, डिजिटल ढांचे और न्याय तक आसान पहुंच की दिशा में किए गए सुधारों को रेखांकित किया।

डिजिटल क्रांति और न्यायपालिका

उन्होंने बताया कि भारत में 95इ से ज्यादा गांवों तक इंटरनेट पहुंच चुका है और 2014 से 2024 के बीच इंटरनेट उपयोगकर्ता 280इ बढ़े हैं। कोविड महामारी ने तकनीक-आधारित सुधारों को और तेज किया। इससे न्यायपालिका ने उभरती चुनौतियों का सामना करने और न्याय तक पहुंच बढ़ाने में बड़ी प्रगति की है। सीजेआई गवई ने कहा कि आज के वैश्विक दौर में न्यायपालिकाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। ऐसे में एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना आधुनिक न्यायपालिका की प्रभावशीलता और विकास के लिए बेहद आवश्यक है।

7 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे महिला रोजगार योजना की शुरुआत

पटना। सूबे में महिलाओं को उद्यमी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने इसका शुभारम्भ किया है। कैबिनेट से इसकी मंजूरी मिलने के बाद अब 7 सितम्बर को मुख्यमंत्री इससे संबंधित दस्तावेज (निर्देशिका) जारी करेंगे। इसके साथ ही इस योजना से लाभ लेने की शुरुआत हो जाएगी। इस योजना के क्रियान्वयन का नोडल ग्रामीण विकास विभाग को बनाया गया है। इससे संबंधित जानकारी देते हुए विभागीय मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि यह न सिर्फ महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे बिहार की अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक नए युग की शुरुआत है। इस योजना का उद्देश्य स्पष्ट है, राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना। जब परिवार की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तभी पूरे समाज की प्रगति होगी।

बिहार की पहल पर जीएसटी काउंसिल का बड़ा फैसला

अब रोटी-कपड़ा और बीमा होगा सस्ता

पटना। बिहार चुनाव से पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की बात मान ली गई है। चुकिं बिहार विकास के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में जीएसटी काउंसिल का ये फैसला बिहार के लिए भी ऐतिहासिक है। जीएसटी काउंसिल ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सुझावों को मानते हुए टैक्स स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव किया है। अब जीएसटी टैक्स स्लैब घटाकर सिर्फ 12 और 5 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है, जबकि कई जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी पूरी तरह शून्य कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी प्राथमिकता बिहार की जनता है। बिहार की जनता का जीवन आसान हो यही हमारी प्राथमिकता है। जीएसटी काउंसिल के इस फैसले से बिहार के गरीब और मिडिल क्लास लोगों से टैक्स का बोझ कम होगा। रोटी, तेल, नमकीन, टेक्सटाइल,, हैंडपंप, ट्रैक्टर, खेल सामग्री, फुटवेयर और निर्माण सामग्री पर टैक्स घटाया गया है। अब किसी भी प्रकार की रोटी पर टैक्स नहीं लगेगा, जबकि पहले पराठे पर 18 फीसद तक टैक्स देना पड़ता था।

बेसिक जरूरत की वस्तुएं सस्ती होंगी : सम्राट चौधरी

सम्राट चौधरी ने बताया कि हमने इस

बदलाव में इस बात का ध्यान रखा है कि बेसिक जरूरत वाली चीजों पर कम से कम टैक्स हो। इस फैसले के तहत किताब, कॉपियां, दूध की बोतलें, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रोजगार से जुड़ी कई वस्तुएं अब सस्ती होंगी। स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है।

'गरीब, किसान और आम आदमी को मिलेगी राहत'

सम्राट चौधरी ने कहा कि यह बदलाव गरीबों, किसानों और आम जनता को ध्यान में रखकर किया गया है। बिहार ने इस ऐतिहासिक फैसले में अहम भूमिका निभाई है। जब देश की अर्थव्यवस्था बूम करेगी, तो बिहार का योगदान सबसे आगे रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में मजबूत कदम है।

विपक्ष पर निशाना

सम्राट चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि अगर लालू प्रसाद यादव को अर्थव्यवस्था की समझ होती, तो बिहार की हालत ऐसी न होती। उन्होंने दावा किया कि आज बिहार के सुझावों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलने से पूरे राज्य का गौरव बढ़ा है।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का बचाव किया

बैंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा कई आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले का बचाव किया है। वर्ष 2019 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों के खिलाफ पथराव का मामला दर्ज किया गया था।

शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अलावा विभिन्न संगठनों के सदस्यों से जुड़े मामले वापसलिए हैं।

कर्नाटक के मंत्रिमंडल ने राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 60 मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। वापस लिए गए मामलों में चित्तपुर में 2019 में हुई पथराव की घटना और शिवकुमार के कथित समर्थकों के खिलाफ मामले शामिल हैं। यह मामले ईडी द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े हैं।

शिवकुमार ने सवाल किया, '' कई मामले वापस लिए गए हैं, हमने भाजपा के लोगों, कांग्रेस के लोगों के खिलाफ मामले वापस लिए हैं। जब मुझे ईडी ने गिरफ्तार किया तो भाजपा ने जानबूझकर हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कुछ मामले दर्ज किए। इससे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान तत्कालीन भाजपा सरकार ने मेरे और मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया तथा हमारे कई नेताओंके खिलाफ मामले दर्ज किए थे। क्या हमें चुपचाप बैठना चाहिए? ''

उपमुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों, और न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ दर्ज कई मामले वापस ले लिए गए हैं।

उन्होंने कहा, '' यब अकेला मामला नहीं है, हमारी सरकार ने सैकड़ों मुकदमे वापस लिए हैं।

सरकारी विद्यालयों के शिक्षक दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से आह्वान किया कि वे दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें ताकि भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

रेड्डी ने यहां शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें दुख होता है जब सरकारी विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं होती हैं, जबकि सरकार भोजन और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं के लिए धनराशि बढ़ा रही है।

शिक्षा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे रेड्डी ने कहा कि वहविद्यालयों का दौरा भी करेंगे और छात्रों के साथ भोजन करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर शिक्षक छात्रों के साथ भोजन करेंगे, तो इससे भोजन तैयार करने के उचित मानकों को बनाए रखने में मदद मिलेगी।''

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से भोजन की गुणवत्ता और अन्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकताओं के बारे में सरकार को सूचित करने को कहा। रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम तरीकों का अध्ययन करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 200 शिक्षकों को सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में भेजने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, ''गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वजह सेसिंगापुर और जापान जैसे देशों में विकास हुआ है।''

रेड्डी ने कहा कि राज्य में लगभग 27,000 सरकारी विद्यालयों में 24 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि 11,000 निजी विद्यालयों में 34 लाख छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, ''सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की योग्यता आमतौर पर निजी विद्यालयों के शिक्षकों से बेहतर होती है।''

रेड्डी ने कहा कि राज्य की नयी शिक्षा नीति तैयार करने के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य के केशव राव, विधायक कादियम श्रीहरि और अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है।

रेड्डी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सफलता का हवाला देते हुए कहा, ''उन्हें दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्य रूप से शिक्षा में लाए गए बदलावों के कारण चुना गया। उन्होंने शिक्षा को शिक्षकों द्वारा गरीब वर्गों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया।''

मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार करते हुए कहा, ''मेरा भी कुछ स्वार्थ है। अगर आप अच्छा काम करेंगे, तो मेरे लिए दूसरे और तीसरे कार्यकाल की संभावना बन सकती है।

पीएम मोदी के समुद्री विजन को मिली गति

सोनोवाल ने हरित हाइड्रोजन प्लांट से देश को दी नई ताकत

चेन्नई। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को वी ओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह पर एक हरित हाइड्रोजन पायलट संयंत्र का उद्घाटन किया और कई बंदरगाह परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, सोनोवाल ने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम नए मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों के माध्यम से तटीय समुदायों की आजीविका में सुधार कर रहा है। उन्होंने कहा कि सागरमाला के माध्यम से, हमने कूंथूकल, पोम्पुहार, सिनामोटन और मुकाइयार्ड में चार प्रमुख मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों का आयोजन किया है, जिससे हमारे तटीय समुदायों के लिए बेहतर आजीविका का सृजन हुआ है।

सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समुद्री नवाचार और कनेक्टिविटी भारत की विकास गाथा में तमिलनाडु की भूमिका को बदल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हम वाणिज्य, कनेक्टिविटी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से उस विरासत को पुनः प्राप्त कर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में नवाचार ने भी तमिलनाडु में अपनी जगह बनाई है। सोनोवाल ने कहा कि आईआईटी चेन्नई स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र ने महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग समाधान प्रदान किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चेन्नई ने नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह का पहला समुद्री हैकाथॉन मैराथन 2025 भी आयोजित किया।

उन्होंने कहा कि आईआईटी चेन्नई में स्थापित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र पहले ही कई इंजीनियरिंग समाधान प्रदान कर चुका है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

'दादी का पोते से भावनात्मक रिश्ता होने के बावजूद, बच्चे पर मां-बाप का ही अधिकार'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने एक महिला को अपने पांच साल के पोते की कस्टडी उसके माता-पिता को लौटाने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा है कि बच्चे के साथ उनका भावनात्मक रिश्ता भले ही हो, लेकिन उन्हें बच्चे की कस्टडी का अधिकार नहीं मिल सकता। बच्चे की दादी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि वह जन्म से ही बच्चे की देखभाल कर रही हैं और उनके बीच भावनात्मक रिश्ता है।

पीठ ने भावनात्मक लगाव के आधार पर बच्चे की कस्टडी देने से इनकार किया

जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखड की पीठ ने गुरुवार को कहा कि दादी का बच्चे के साथ भावनात्मक रिश्ता हो सकता है, लेकिन इस तरह का लगाव उसे बच्चे के जैविक माता-पिता की तुलना में कस्टडी का अधिकार नहीं देता। अदालत ने कहा कि बच्चे की कस्टडी पर जैविक माता-पिता के अधिकारों को

तभी छीना जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि उन्हें कस्टडी देना बच्चे के कल्याण के लिए नुकसानदायक होगा।

क्या है मामला

जिस बच्चे की कस्टडी का मामला है, वह बचपन से ही अपनी दादी के पास रह रहा था। बच्चे का एक जुड़वां भाई भी है, जो सेरेब्रल पल्सी बीमारी से पीड़ित है। माता-पिता ने सेरेब्रल पल्सी से पीड़ित बच्चे की देखभाल करने के लिए अपने दूसरे बेटे को दादी के पास छोड़ा था। हालांकि संपत्ति को लेकर हुए विवाद के चलते, बच्चे के पिता ने अपनी 74 वर्षीय मां से बच्चे की कस्टडी मांगी तो मां ने इनकार कर दिया। जिसके बाद बच्चे के पिता ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की।

'दादी को पोते की कस्टडी रखने का अधिकार नहीं'

पीठ ने कहा कि बच्चे के माता-पिता के बीच कोई वैवाहिक कलह नहीं है और ऐसा कोई सबूत भी नहीं है, जिससे पता चले कि वे बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ हैं। अदालत ने कहा कि बच्चे को केवल माता-पिता और दादी के बीच विवाद के कारण उसके माता-पिता की देखभाल से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने आगे कहा कि दादी को अपने पोते की कस्टडी में रखने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, खासकर जब वह 74 वर्ष की हों।

अदालत ने दादी की इस दलील को मानने से इनकार कर दिया कि याचिकाकर्ता और उसकी पत्नी भावनात्मक और आर्थिक रूप से जुड़वा बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ हैं। अदालत ने दादी को दो हफ्ते के भीतर बच्चे की कस्टडी बच्चे के माता-पिता को सौंपने का आदेश दिया।

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से प्राप्त किया 84.20 करोड़ रुपये का जुर्माना

एसी उपनगरीय लोकल से प्राप्त किया गया 1.20 करोड़ रुपये का जुर्माना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से अगस्त, 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल 84.20 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 35इ से अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से लगभग 13% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से लगभग 23 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अगस्त, 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा

तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.39 लाख मामलों का पता लगाकर 13.21 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के अगस्त के आंकड़ों की तुलना में 166% से अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर 88 हजार मामलों का पता लगाकर 3.44 करोड़ रुपये का जुर्माना प्राप्त किया गया है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एसी लोकल में केंद्रित अभियानों के परिणामस्वरूप, अप्रैल से अगस्त, 2025 के दौरान 36 हजार से अधिक अनधिकृत यात्रियों को दंडित किया गया और उनसे 1.20 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में प्राप्त किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 54% अधिक है। ऐसे उल्लेखनीय परिणाम अनधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं।

रेलवे स्कूल एवं जूनियर कॉलेज (सीबीएसई), कल्याण में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे स्कूल एवं जूनियर कॉलेज (सीबीएसई बोर्ड), कल्याण में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी पश्चिम जोन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में श्री मनीष सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मुंबई मंडल, मध्य रेलवे, डॉ. ए.के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी तथा नागेश चौधरी, प्रबंधक/मानव संसाधन, आईआरसीटीसी पश्चिम जोन, मुंबई विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। अन्य कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गौरव झा, समूह महाप्रबंधक/आईआरसीटीसी पश्चिम जोन ने कहा कि 'शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में मार्गदर्शक शक्ति होते हैं। उनका समर्पण और निष्ठा हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। आज का दिन हमें उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने की याद दिलाता है।'

मनीष सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मुंबई मंडल ने कहा कि 'शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ शिक्षकों से सीखे गए संस्कार और मूल्य विद्यार्थियों के जीवनभर साथ रहते हैं। ऐसे समारोह शिक्षक-छात्र के रिश्ते को और भी सुदृढ़ बनाते हैं।'

कॉलेज की प्राचार्या ज्योति श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहाः 'हमें ऐसे समर्पित शिक्षक मिलने का सौभाग्य प्राप्त है, जो हमारे विद्यार्थियों का भविष्य संवारने में निरंतर प्रयासरत रहते हैं। आज विद्यार्थियों को दिया गया सम्मान, शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों की मेहनत का प्रतीक है।'

कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन का संदेश दिया।

रेलवे पूजा, दिवाली और छठ पर्व 2025 के दौरान विशेष ट्रेनें चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी पूजा, दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए, रेलवे ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने का निर्णय लिया हैः

1) हिसार - खड़की - हिसार साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष (10 सेवाएं)

04726 खड़की - हिसार साप्ताहिक विशेष दिनांक 13.10.2025 से 10.11.2025 तक (5 सेवाएं) प्रत्येक सोमवार को खड़की से 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22.25 बजे हिसार पहुँचेगी।

04725 हिसार - खड़की साप्ताहिक विशेष दिनांक 12.10.2025 से 09.11.2025 (5 सेवाएं) तक प्रत्येक रविवार को सुबह 05.50 बजे हिसार से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.15 बजे खड़की पहुंचेगी।

ठहरावः सादुलपुर, लोहारू, चिड़ावा, झुंझुनू, नवलगढ़, सीकर, रींगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर जंक्शन, कोटा, भवानी मंडी, नागदा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, गोधरा, वडोदरा जंक्शन, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण, लोनावला

और चिंचवड़।

संरचनाः एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, एक वातानुकूलित 2-टियर, पांच वातानुकूलित 3-टियर, सात शयनयान श्रेणी, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन।

2) बीकानेर - साईनगर शिर्डी - बीकानेर साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएं)

04716 साईनगर शिर्डी - बीकानेर साप्ताहिक विशेष दिनांक 28.09.2025 से 30.11.2025 तक (10 सेवाएं) प्रत्येक रविवार को साईनगर शिर्डी से 19.35 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 05.00 बजे बीकानेर पहुँचेगी।

04715 बीकानेर - साईनगर शिर्डी साप्ताहिक विशेष दिनांक 27.09.2025 से 29.11.2025 तक (10 सेवाएं) प्रत्येक शनिवार को बीकानेर से 13.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 19.00 बजे साईनगर शिर्डी पहुँचेगी।

ठहरावः श्री डूंगरगढ़, राजलदेसर, रतनगढ़, चूरू, फतेहपुर शेखावाटी, लक्ष्मणगढ, सीकर, रींगस, दहर का बालाजी, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, शामगढ़, नागदा जंक्शन, उज्जैन, भोपाल, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल और मनमाड।

संरचनाः एक वातानुकूलित -2 टियर, दो वातानुकूलित 3-टियर, ग्यारह शयनयान श्रेणी, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन।

3) वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी - हड़पसर (पुणे) - वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष (20 सेवाएं)

01925 हड़पसर (पुणे) - वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी साप्ताहिक विशेष दिनांक 25.09.2025 से 27.11.2025 तक प्रत्येक गुरुवार को हड़पसर (पुणे) से 15.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी पहुँचेगी। (10 सेवाएं)

01926 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-हड़पसर (पुणे) साप्ताहिक विशेष दिनांक 24.09.2025 से 26.11.2025 तक प्रत्येक बुधवार को 12.50 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.25 बजे हड़पसर (पुणे) पहुँचेगी। (10 सेवाएं)

ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, विदिशा, बीना और ललितपुर

संरचनाः एक वातानुकूलित 2-टियर, तीन वातानुकूलित 3-टियर, 7 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

आरक्षणः ट्रेन संख्या 04726, 04716, 01925 के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग दिनांक 07.09.2025 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे त्योहारों के सीजन में विशेष ट्रेनों की सुविधा का लाभ उठाएँ।

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'पथ प्रदर्शक' में ज़िंदगी के मार्गदर्शकों की जय-जयकार

'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' पर मायानगरी मुंबई में हुआ लोकार्पण

मुंबई । इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे 'द यश मंगलम शो' की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म 'पथ प्रदर्शक' का लोकार्पण 5 सितम्बर, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में शिक्षकों और जीवन के हर पड़ाव पर उचित मार्गदर्शन करने वाले सभी पथ प्रदर्शकों की जय-जयकार की गई है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत 'वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई' द्वारा 'महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन' के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म 'पथ प्रदर्शक' सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल 'द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज़ के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की 'धरोहरः ए पोएटिक सागा', 'शिल्पकार', 'योगा रिट्रीट', 'सेहत के रखवाले', कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा और 'मैं भारत हूँ..!' जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ

यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ़ 15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी दमदार शैली की बदौलत शो-बिज़ की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें पथ प्रदर्शकों के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 9 लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म 'पथ प्रदर्शक' के ज़रिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस लघु फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फ़िल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन ड'वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई'ड ने किया है। उल्लेखनीय है कि भारत के दूसरे राष्ट्रपति रहे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 5 सितम्बर को हर साल शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :- 'शिक्षक जो स्वयं तपकर...अपने शिष्यों में भरते हैं....विश्वास की अनूठी शक्ति....! जो अच्छाइयों की सही सीख देकर हमें दिलाते हैं बुराइयों से मुक्ति, जो स्वयं ठोकरें खाकर भी..... हमें सँभलना सिखाते हैं, जो हमारे भीतर सही- ग़लत की चेतना जगाते हैं, उनके आदर्श हमारे मन को थमाते हैं अनुशासन की डोर, उनकी शिक्षा हमें ले जाती है.. अज्ञानता से उजाले की ओर, शिक्षक ही बनते हैं विपरीत परिस्थितियों में हमारे स्वाभिमान के रक्षक, ये होते हैं हमारे-आपके जीवन के असली 'पथ प्रदर्शक'..! आइये, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर हम प्रकट करें सभी शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार..! हमारे जीवन के सभी पथ प्रदर्शकों की अंतर्मन से जय-जयकार..!' यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :- https://youtu.be/m9dXhLYgu2E?si=gap9VZO2fFpoDUnQ

न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

मुंबई। न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को मुंबई उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन भारती और राज्य पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। न्यायमूर्ति आलोक अराधे के उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद न्यायमूर्ति चंद्रशेखर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे थे।

पश्चिम रेलवे

एलएचबी

उप मुख्य विद्युत अभियंता (पश्चिम), पश्चिम रेलवे डिब्बा मरम्मत कारखाना, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400 013, ई-निविदा सूचना क्रमांकः EL/WA/PL/2025-26/05, दिनांकः 30.08.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** कार्यक्षेत्र और दरों की अनुसूची के अनुसार, गैर-एसी एलएचबी कोचों के EDTS-328 के अनुसार अंडरफ्रेम में एलएचबी कोचों के 750 वोल्ट फीडर जंक्शन बॉक्स की स्टिपिंग/री-फिटिंग, मरम्मत, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागतः** 50,02,963.53। **ब्याज राशिः** 1,00,100/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 25.09.2025, 12:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथिः** 25.09.2025 को दोपहर 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0569

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिमी रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 ई-निविदा आमंत्रित करता है

अ. क्र.	निविदा सूचना संख्या एवं दिनांक	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	ब्याज राशि
1.	BCT/25-26/210 dt.03/09/2025	कोलाबा संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण और बधवारपार्क में लगभग 40 रेलवे अधिकारी क्वार्टरों का आंतरिक निर्माण	₹ 4,07,38,708.25	₹ 3,53,700.00
2.	BCT/25-26/211 dt.03/09/2025	मुंबई सेंट्रल (मुख्य) - एसएसई (डब्ल्यू-आई) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सीमा दीवार का सुधार और निर्माण।	₹ 2,24,69,051.36	₹ 2,62,400.00
3.	BCT/25-26/212 dt.03/09/2025	एसएसई/ब्रिज-लोअर परेल के अंतर्गत चर्चगेट-अंधेरी खंड में पुल निर्माण हेतु विविध गतिविधियों के लिए फुट ओवर ब्रिज/रोड ओवर ब्रिज/पाइपलाइन ब्रिज, एलिवेटेड डेक रोड, स्काईवॉक; एलिवेटेड बुकिंग कार्यालय और ईओटी क्रेन तथा वेल्डिंग सेट के रखरखाव के लिए जनशक्ति उपलब्ध कराना।	₹ 87,65,965.23	₹ 1,75,300.00
4.	BCT/25-26/213 dt.03/09/2025	दादर में एलिवेटेड रोड का धातुकरण, पेंटिंग, स्टील संरचना और चर्चगेट-खार खंड के बीच फुट ओवर ब्रिज।	₹ 1,21,48,755.00	₹ 2,10,800.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, जमा करने की तिथि एवं समयः 30.09.2025, 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि एवं समयः 30.09.2025 को 15:30 बजे। नोटः- अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0571

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTMB25-6	23-09-25 12:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MMS-MobGen-133732-1-25-1 (Misc-Mobile-Services-Mobile General)	12009/10-एमएमसीटी-एडीआई शताब्दी एक्सप्रेस में पार्सल बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए ऐप-आधारित लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से गार्ड कम्पार्टमेंट नामित बॉक्स/केज स्पेस के उपयोग के लिए 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध।	1096	23-09-25 12:30:00
2	MMS-MobGen-176202-1-25-1 (Misc-Mobile-Services-Mobile General)	22953/54 - गुजरात एक्सप्रेस में पार्सल बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए ऐप-आधारित लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से गार्ड कम्पार्टमेंट निर्दिष्ट बॉक्स/केज स्थान के उपयोग हेतु 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध	1096	23-09-25 12:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-9	23-09-25 13:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	PnU-BCT-MMCT-WRL-27-22-1 (Pay and Use-Lounges / Waiting / Retiring / Cloak Rooms)	मुंबई मंडल के मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पर 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए क्लॉक रूम सेवाओं का नवीनीकरण, प्रबंधन, रखरखाव, संचालन और मैनिंग	1826	23-09-25 13:30:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-26	23-09-25 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	23-09-25 14:30:00
2	MSS-BCT-NSP-MedStn-46-24-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना।	1826	23-09-25 14:40:00
3	MSS-BCT-DDR-STGen-57-25-1 (Misc-Static-Services-Static General)	दादर स्टेशन पर डिजिटल लाउंज/सह-कार्य स्थल के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी	1826	23-09-25 14:50:00
4	MSS-BCT-ADH-STGen-58-25-1 (Misc-Static-Services-Static General)	अंधेरी स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त डिजिटल लाउंज/सह-कार्य स्थल के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी	1826	23-09-25 15:00:00
5	MSS-BCT-BVI-STGen-59-25-1 (Misc-Static-Services-Static General)	बोरीवली स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त डिजिटल लाउंज/सह-कार्य स्थल के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी	1826	23-09-25 15:10:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-33	23-09-25 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-DGI-OSN-431-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	डुंगरी (डीजीआई) स्टेशन पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	23-09-25 15:30:00
2	ADVT-BCT-BL-OSN-435-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	वलसाड (बीएल) स्टेशन पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	23-09-25 15:40:00
3	ADVT-BCT-ST-OSN-434-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	सूरत (एसटी) स्टेशन पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	23-09-25 15:50:00
4	ADVT-BCT-VAPI-OSN-433-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	वापी (वीएपीआई) स्टेशन पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	23-09-25 16:00:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212, ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0566

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

IPS को वीडियो कॉल कर फटकार लगाने पर बोले संजय राउत

'अजित पवार को सरकार में रहने का कोई हक नहीं'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें सरकार में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राउत का यह बयान उस वीडियो के सामने आने के बाद आया है, जिसमें अजित पवार एक महिला आईपीएस अधिकारी को फोन पर फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। यह मामला सोलापुर जिले में अवैध मुरम मिट्टी की खुदाई से जुड़ा है।

संजय राउत ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अजित पवार चोरी करने वालों को बचाने का काम कर रहे हैं और अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता को कानून का पालन करने की सीख देते हैं, वही अधिकारियों को गैरकानूनी काम में मदद करने का आदेश दे रहे हैं। राउत ने सवाल किया कि कहां है उनकी अनुशासन की बात?

वीडियो में क्या दिखा?

सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि अजित पवार महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा को फोन पर फटकार लगाते हैं। यह फोन कॉल

एनसीपी के एक कार्यकर्ता के फोन से किया गया था। अधिकारी शुरुआत में पवार की आवाज नहीं पहचानतीं, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री वीडियो कॉल करते हैं और उनसे कार्रवाई रोकने के लिए कहते हैं। पवार उन्हें सख्त लहजे में सवाल करते हैं कि क्या वे उनका चेहरा पहचानती हैं।

अवैध मुरम खुदाई का मामला

यह विवाद सोलापुर जिले में चल रही अवैध मुरम मिट्टी की खुदाई को लेकर है। मुरम मिट्टी का इस्तेमाल सड़कों के निर्माण में सब-बेस और फिलिंग मटेरियल के रूप में किया जाता है। इस अवैध गतिविधि से राज्य सरकार को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। राउत ने कहा कि राज्य को लूटने का यह काम सरकार के संरक्षण में चल रहा है और मंत्री शर्मिंदा होने के बजाय बचाव कर रहे हैं।

पवार की भाषा और रवैया बेहद अशोभनीय- शिवसेना यूबीटी नेता आनंद दुबे

इस मामले पर शिवसेना यबीटी नेता आनंद दुबे ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पवार की भाषा और रवैया बेहद अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि एक आईपीएस अधिकारी का कर्तव्य अवैध खनन रोकना है और अंजली कृष्णा वही कर रही थीं। दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया कि क्या इस व्यवहार पर कोई कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि एक ईमानदार महिला अधिकारी को प्रोत्साहित करने की बजाय धमकाना गलत संदेश देता है और यह महाराष्ट्र की संस्कृति के खिलाफ है।

एनसीपी का बचाव

घटना के बाद एनसीपी ने सफाई दी है कि अजित पवार ने अधिकारी को कार्रवाई रोकने का आदेश नहीं दिया था। पार्टी का कहना है कि उन्होंने शायद कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए अधिकारी से बात की होगी। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि वीडियो क्लिप को जानबूझकर लीक किया गया है। राउत ने कहा कि पहले कई नेताओं को इसी तरह के विवादों के बाद नैतिक आधार पर इस्तीफा देना पड़ा है। उन्होंने मांग की कि अजित पवार को भी तुरंत इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि सरकार में रहकर वे राज्य के हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

नवाब मलिक को क्लीनचिट तो समीर वानखेड़े की बहन ने किया पलटवार, पुलिस की रिपोर्ट पर जताई आपत्ति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पूर्व एनसीबी जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की बहन यास्मीन वानखेड़े ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक को पुलिस द्वारा दी गई क्लीन चिट को चुनौती दी है। उन्होंने बुधवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट में एक विरोध याचिका दाखिल की है। इसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनकी मानहानि शिकायत की जांच निष्पक्ष ढंग से नहीं की। साथ ही अपनी विरोध याचिका में उन्होंने दावा किया कि पुलिस की क्लीन चिट आरोपी व्यक्ति के आचरण को उचित ठहराने का प्रयास है, जो कानून के प्रावधानों के विपरीत है।

यास्मीन वानखेड़े ने दावा किया कि ऐसा लगता है कि पुलिस की जांच महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक द्वारा प्रभावित ही नहीं की गई बल्कि काफी हद तक उनके द्वारा निर्देशित की गई है।

2021 में दायर अपनी शिकायत में, यास्मीन वानखेड़े ने दावा किया था कि नवाब मलिक ने उनके और परिवार के खिलाफ झूठे, अपमानजनक व सनसनीखेज आरोप ट्वीट्स और टीवी इंटरव्यू में लगाए। जिसके बाद बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 202 के तहत उनके आरोपों की जांच का आदेश दिया था और पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया।

जिसके बाद अदालत को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में पुलिस ने मलिक को क्लीन चिट दे दी। अपनी रिपोर्ट में पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया नवाब मलिक के खिलाफ संज्ञेय या असंज्ञेय अपराध का कोई सबूत नहीं है। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में मलिक को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्होंने बयान पार्टी प्रवक्ता के नाते दिए थे और उनका वानखेड़े परिवार से कोई निजी वैमनस्य नहीं है। मलिक ने पुलिस को बताया कि यास्मीन वानखेड़े के प्रति उनकी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है।

पुलिस के इस दावे पर यास्मीन ने आपत्ति जताई कि रिपोर्ट आरोपी के आचरण को सही ठहराने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता होने का अधिकार निजी तस्वीरों के दुरुपयोग और उन्हें सार्वजनिक करने की अनुमति नहीं देता। इस मामले की अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

रविवार को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल रविवार, दिनांक 07.09.2025 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए निम्नानुसार मेगा ब्लॉक परिचालित करेगाः

माटुंगा-मुलुंड अप और डाउन फास्ट लाइन पर सुबह 11.05 बजे से दोपहर 15.45 बजे तक

सुबह 10.36 बजे से दोपहर 15.10 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करने वाली डाउन फास्ट लाइन की सेवाओं को माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जो अपने निर्धारित स्टेशनों पर रुकेंगी और पुनः मुलुंड स्टेशन पर डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

ठाणे से सुबह 11.03 बजे से दोपहर 15.38 बजे तक प्रस्थान करने वाली अप फास्ट लाइन की सेवाएँ मुलुंड स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी। मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच उनके निर्धारित ठहराव के अनुसार रुकेंगी, आगे माटुंगा स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर पुनः डायवर्ट किया जाएगा और वे अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

पनवेल-वाशी अप और डाउन हार्बर लाइनें सुबह 11.05 बजे से शाम 16.05 बजे तक (पोर्ट लाइन को छोड़कर)

पनवेल से सुबह 10.33 बजे से दोपहर 15.49 बजे तक सीएसएमटी मुंबई के लिए अप हार्बर लाइन की सेवाएँ और सीएसएमटी मुंबई से सुबह 9.45 बजे से दोपहर 15.12 बजे तक पनवेल/बेलापुर के लिए डाउन हार्बर लाइन की सेवाएँ रद्द रहेंगी।

11.02 बजे से 15.53 बजे तक पनवेल से ठाणे की ओर जाने वाली अप ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ और 10.01 बजे से 15.20 बजे तक ठाणे से पनवेल की ओर जाने वाली डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ रद्द रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी-वाशी सेक्शन पर विशेष लोकल ट्रेनें चलेंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान ठाणे-वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान पोर्ट लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

रेलवे मुंबई-रीवा विशेष ट्रेनों की 26 सेवाओं का विस्तार करेगी

मुंबई(संवाददाता)। रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मुंबई और रीवा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन सेवाओं की अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया है। विवरण निम्नानुसार है :

प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 02188 सीएसएमटी मुंबई-रीवा विशेष अब दिनांक 03.10.2025 से 26.12.2025 तक (13 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 02187 रीवा-सीएसएमटी मुंबई विशेष अब दिनांक 02.10.2025 से 25.12.2025 तक (13 सेवाएं) तक विस्तारित की गई है। परिचालन के दिन, समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा। आरक्षणः विशेष ट्रेन संख्या 02188 की विस्तारित यात्राओं के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग दिनांक 07.09.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर शुरू होगी। इस विशेष ट्रेन के ठहरावों और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार अब डॉ. जे. पी. नाइक के नाम पर दिया जाएगा-मंत्री चंद्रकांत पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग और चित्रकला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को दिया जाने वाला आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार अब 'डॉ. जे. पी. नाइक आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार' के नाम से दिया जाएगा। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने इसकी घोषणा की।

डॉ. जे. पी. नाइक के शैक्षणिक कार्यों को केंद्र सरकार, देश, विदेश और यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता स्वरूप इस पुरस्कार का नाम डॉ. जे. पी. नाइक के नाम पर रखा गया है। साथ ही, आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए शिक्षकों के चयन को और अधिक पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु, ऐसे शिक्षकों को, जिन्होंने सच्चे समर्पण भाव से अध्ययन एवं अध्यापन करके शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, चयन प्रक्रिया की शर्तों, मानदंडों एवं प्रक्रिया में संशोधन करते

हुए एक संशोधित सरकारी निर्णय की घोषणा की गई है।

पुरस्कार विजेता

पुरस्कार के लिए अंतिम केंद्रीय स्क्रीनिंग समिति की संरचना

समिति के सदस्यः अध्यक्ष- कुलपति, सदस्य- उच्च शिक्षा निदेशालय, तकनीकी शिक्षा, कला, दो विषय विशेषज्ञ, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा (मुख्यालय) सदस्य सचिव होंगे।

राज्य स्तरीय पुरस्कार चयन समिति

समिति के अध्यक्ष- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री, उपाध्यक्ष- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री, सदस्य-अपर मुख्य सचिव, राज्य के दो प्रतिष्ठित शिक्षा विशेषज्ञ, सदस्य-सचिव निदेशक, उच्च शिक्षा होंगे।

कोल्हापुर जिले के बहिरेवाड़ी (ता. अजरा) में 5 सितंबर 1907 को जन्मे डॉ. जे. पी. नाइक को भारतीय शिक्षा का एक प्रकाश स्तंभ माना जाता है। उनका कार्य केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश-विदेश तक पहुँच चुका है और यूनेस्को ने भी उनके कार्यों पर ध्यान दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाली इन महान हस्तियों की स्मृति में, महाराष्ट्र सरकार द्वारा दिया जाने वाला आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार अब 'डॉ. जे. पी. नाइक आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार' के नाम से दिया जाएगा। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों के सम्मान को और अधिक सार्थक और प्रेरणादायक बनाएगा।

गणपति विसर्जन के लिए आज मुंबई में यातायात में बदलाव, पुलिस की सुरक्षा बल तैनात

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।मुंबई में बड़े पैमाने पर गणपति विसर्जन होगा और इस पृष्ठभूमि में, पुलिस ने मुंबई शहर के साथ-साथ पूर्व और पश्चिमी उपनगरों में कई जगहों पर यातायात में बदलाव किए हैं। इस बीच, मुंबई पुलिस आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था के सह पुलिस आयुक्त सत्यनारायण चौधरी, यातायात के सह पुलिस आयुक्त अनिल कुंभारे, पुलिस उपायुक्त (अभियान) अकबर पठान, यातायात के उपायुक्त प्रशांत परदेशी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई।

इस अवसर पर, गणपति विसर्जन के सुचारू संचालन के लिए यातायात में किए गए परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी गई। इस बीच, विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल को तैनात किया जाएगा। गिरगांव चौपाटी पर विसर्जन के लिए लालबाग राजा और बड़ी गणपति मूर्तियों को भायखला, नागपाड़ा, कालबादेवी, डी.बी. सड़क परिवहन विभाग के तहत डी.बी. सड़क परिवहन विभाग से विसर्जित किया जाता है। तदनुसार, दक्षिण परिवहन विभाग के अंतर्गत यातायात व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। दूसरी ओर, पुलिस ने नागरिकों से निजी वाहनों की तुलना में सार्वजनिक परिवहन (बेस्ट बसें और ट्रेनें) का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया है। इस दिन, तीनों मार्गों पर रात भर लोकल ट्रेनें चलेंगी। अनंत चतुर्दशी, यानी गणेश विसर्जन के लिए 6 सितंबर को सुबह 7 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक भारी वाहनों का मुंबई में प्रवेश और संचालन प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि उत्तर मुंबई से दक्षिण मुंबई आने वाले और दक्षिण मुंबई से उत्तर मुंबई जाने वाले वाहन चालक गणेशोत्सव की अवधि

के दौरान जितना संभव हो सके कोस्टल रोड (धर्मवीर स्वराज्यरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मार्ग) का उपयोग करें, फ्रीवे (विलासराव देशमुख पूर्व फ्रीवे) अटल सेतु से दक्षिण मुंबई होते हुए उत्तर मुंबई, एफ-वे (विलासराव देशमुख पूर्व फ्रीवे) पी. डी. मेलो मार्ग कल्पना जंक्शन राइट टर्न-भाटिया बाग जंक्शन-राइट टर्न सी.एस.एम.टी. जंक्शन लेफ्ट टर्न म्युनिसिपल रोड मेट्रो जंक्शन - राइट टर्न श्यामलदास रोड श्यामलदास जंक्शन लेफ्ट टर्न प्रिंसेस स्ट्रीट कोस्टल रोड (धर्मवीर स्वराज्य रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मार्ग) नॉर्थ का इस्तेमाल करना चाहिए, नॉर्थ मुंबई से साउथ मुंबई होते हुए एफ वे - अटल सेतु जाने के लिए वाहन चालकों को कोस्टल रोड (धर्मवीर स्वराज्य रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मार्ग) साउथ चैनल प्रिंसेस स्ट्रीट राइट टर्न श्यामलदास जंक्शन - श्यामलदास मार्ग लेफ्ट टर्न मेट्रो जंक्शन म्युनिसिपल रोड राइट टर्न-सी.एस.एम.टी. जंक्शन लेफ्ट टर्न - भाटिया बाग जंक्शन लेफ्ट टर्न कल्पना जंक्शन पी. डिमेलो मार्ग एफ वे (विलासराव देशमुख पूर्व मुक्त मार्ग)/ अटल सेतु साउथ चैनल का इस्तेमाल करना चाहिए।

इस बीच, मुख्य विसर्जन स्थल गिरगांव चौपाटी, शिवाजी पार्क चौपाटी, जुहू चौपाटी, मलाड मालवणी टी जंक्शन, पवई (गणेश घाट) परिवहन विभाग के दक्षिण, मध्य और मुख्य, पूर्व उपनगर और पश्चिमी उपनगर विभाग में सहायक पुलिस आयुक्त से लेकर पुलिस कांस्टेबल तक लगभग 4,000 कर्मियों को तैनात किया जाएगा। उनकी सहायता के लिए एनएसएस, नागरिक सुरक्षा बल, यातायात रक्षक, सड़क सुरक्षा बल रक्षक (नगर शिक्षक), हैम रेडियो, अनिरुद्ध आपदा प्रबंधन अकादमी, होमगार्ड, जल सुरक्षा बल और अन्य विभागों के 4,000 कर्मी मौजूद रहेंगे।

सुचारू यातायात प्रवाह बनाए रखने और गणपति विसर्जन जुलूस में किसी भी तरह की बाधा से बचने के लिए, वाहनों और निजी बसों पर प्रावधानों के अनुसार पहले जारी की गई अधिसूचना को अस्थायी रूप से निलंबित किया जा रहा है और 27 अगस्त से 06 सितंबर 2025 तक की अवधि के लिए सभी प्रकार के भारी वाहनों और निजी वाहनों के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की जा रही है। मुंबई की सड़कों पर सभी प्रकार के भारी वाहनों और निजी बसों के प्रवेश के लिए समय निर्धारित किया गया है।

आवश्यक सेवाओं के वाहनों को छूट - सब्ज़ियाँ, दूध, बेकरी उत्पाद, पेयजल, पेट्रोलियम उत्पाद, एम्बुलेंस, सरकारी और प्रशासनिक वाहन, और स्कूल बसों जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने वाले वाहनों को इन प्रतिबंधों से असाधारण छूट दी गई है। मुंबई में आने-जाने वाले सभी भारी वाहन, यात्रियों को ले जाने/ले जाने वाली निजी बसें, साथ ही सभी छूट प्राप्त भारी वाहन केवल अपने निजी स्वामित्व वाले या किराए के परिसर में या अधिकृत 'पे एंड पार्क' स्थानों पर ही पार्क किए जा सकेंगे।

कोर्ट ने रेलवे के पूर्व कर्मचारी को रिश्वतखोरी के मामले में किया बरी, कहा- ठोस सबूत नहीं पेश किए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे। ठाणे की एक विशेष सीबीआई अदालत ने रेलवे के एक पूर्व प्वाइंटमैन को 18 साल पुराने रिश्वतखोरी के मामले में बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। कोर्ट ने यह फैसला दो दिसंबर को दिया, जिसकी प्रति आज उपलब्ध कराई गई। विशेष सीबीआई जज डी. एस. देशमुख ने शिवाजी श्रीपत मशाल के खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, कल्याण रेलवे स्टेशन के तत्कालीन स्टेशन मास्टर ओमप्रकाश तिपन्ना निन्ने ने एक बूट पॉलिश ठेकेदार से हर महीने 1,000 रुपये रिश्वत मांगी थी। ठेकेदार ने सीबीआई को इसकी सूचना दी, जिसके बाद दो मार्च 2007 को सीबीआई ने जाल बिछाया और मशाल को पैसे लेते हुए पकड़ा, जो कथित रूप से निन्ने की ओर से रिश्वत ले रहे थे।

अदालत ने माना कि मशाल के खिलाफ रिश्वत मांगने या लेने का कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला। उस दिन मशाल को स्टेशन मास्टर निन्ने के दफ्तर में अस्थायी रूप से तैनात किया गया था क्योंकि नियमित

चपरासी छुट्टी पर था। शिकायतकर्ता और निन्ने की मुकदमे में सुनवाई के दौरान मौत हो गई। अदालत ने अभियोजन पक्ष के दो गवाहों से पूछताछ की, लेकिन उनके बयान से मामले को कोई मजबूती नहीं मिली।

जज देशमुख ने यह भी बताया कि खुद सीबीआई ने यह मामला वापस लेने की अर्जी दी थी, क्योंकि मामले में कई समस्याएं थीं। शिकायतकर्ता और मुख्य आरोपी अब जीवित नहीं हैं और न तो शिकायत में और न ही सीबीआई की जांच में मशाल को रिश्वत लेने वाला बताया गया है। जज ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि मशाल ने (मृतक) स्टेशन मास्टर की ओर से 1,000 रुपये की रिश्वत ली थी।

जरांगे बोले- 1881 से ही आरक्षण के हकदार थे मराठा; भुजबल पर लगाया ओबीसी नेताओं को दबाने का आरोप

छत्रपति संभाजीनगर। कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय 1881 से आरक्षण का पात्र था, लेकिन अब आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए यह जरूरी हो गया है। महाराष्ट्र सरकार ने मराठाओं को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के लिए समिति बनाई है, जिससे आरक्षण सुनिश्चित होगा। जरांगे ने मंत्री छगन भुजबल पर ओबीसी नेताओं को दबाने का आरोप लगाया।छत्रपति संभाजीनगर में एक अस्पताल में भर्ती कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को कहा कि मराठा समुदाय 1881 से ही आरक्षण का पात्र था। तब समुदाय ने इसे नहीं मांगा, क्योंकि यह एक प्रगतिशील समुदाय था। अब आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए यह आरक्षण जरूरी हो गया है। मुंबई के आजाद मैदान में पांच दिन की भूख हड़ताल खत्म करने के बाद जरांगे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जरांगे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने मराठाओं को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के लिए समिति बनाने की घोषणा की जिसके बाद ही उन्होंने अनशन तोड़ा। सरकार ने एक आदेश जारी किया, जिसमें हैदराबाद गजटियर को लागू करने का जिक्र है। इसमें मराठा समुदाय के बारे में ऐतिहासिक संदर्भ हैं। जरांगे ने कहा कि कुछ लोग अब इस आदेश की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन वे खुद मराठा समुदाय के ही लोग हैं और उनकी भावनाएं मराठाओं के लिए हैं। उन्होंने कहा, जो बातें मुझे सरकारी आदेश के मसौदे में गलत लगीं, उन्हें मैंने मुंबई में ही बदलवा दिया।

जरांगे ने दावा किया कि यह आदेश मराठवाड़ा क्षेत्र में पूरे मराठा समुदाय को आरक्षण सुनिश्चित करेगा और यदि इसे कानूनी चुनौती भी दी गई, तो यह अदालत में टिकेगा नहीं। वहीं, ओबीसी नेता और मंत्री छगन भुजबल ने मराठाओं को ओबीसी में शामिल किए जाने पर नाराजगी जताई और संकेत दिया है कि वे इसे कोर्ट में चुनौती देंगे। जरांगे ने कहा, अगर कहीं कोई गलती या सुधार की जरूरत है, तो हम करेंगे। लेकिन अगर कोई इस आदेश को लेकर भ्रम फैला रहा है, तो जनता को उन्हें नजरअंदाज करना चाहिए।

सम्पादकीय

सिगरेट-गुटखा महंगे, दाल-घी सस्ते सरकार के नये जीएसटी फॉर्मूले में नशेबाजों को झटका, आम आदमी को राहत

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है।

हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है।

गौरतलब है कि बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है।

मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर-ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन-बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ-साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है।

जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे।

बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और इस तरह आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौती पैदा हुई है, उसका सामना करने की दिशा में विकल्प भी तैयार होंगे। यों करीब आठ वर्ष पहले जब जीएसटी को लागू किया गया था, तभी से समय-समय पर अनेक उत्पादों पर कर की दरों में कुछ बदलाव किए गए, लेकिन कई अन्य उत्पादों पर कटौती की मांग होती रही। अब जीएसटी में बदलाव की घोषणा तो हो गई है, लेकिन राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन-सा रास्ता निकालती है!

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती

सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

आजादी चाहिए तो मन से डर हटाइए

आजादी और मुक्ति का सच्चा अर्थ आज हमारे कहे-लिखे हुए केवल बोलचाल के शब्द ही हैं या वास्तविक स्वरूप में हमारे जन जीवन और अंतर्मन में जीवंत रूप से रचे-बसे सहज आपसी व्यवहार हैं? आजादी का मूल अर्थ भयमुक्त होना ही हो सकता है। जब तक मन निर्भय न हो, स्वाधीनता से सहज साक्षात्कार हो ही नहीं सकता। जो भयभीत होता है, वह स्वाधीनता के दर्शन के बारे कभी भी गहराई से सोच समझ ही नहीं पाता है।

स्वाधीनता और स्वावलंबन एक तरह से आपस में इस तरह घुले मिले हैं कि दोनों को समझे बिना या आत्मसात किए बिना इनकी जीवनी शक्ति को जाना नहीं जा सकता है। इस जगत में मनुष्य के अलावा बाकी सब स्वावलंबी है। इसीलिए मानवेतर सारे जीव-जंतुओं के सामने स्वाधीनता का सवाल कभी आया ही नहीं। मनुष्य ने अन्य मनुष्यों को पराधीन बनाया, परावलंबी और यंत्रवत भी बनाया। साथ ही साथ खुद भी परावलंबी बना और यंत्रवत बनने या यंत्र का आदी बनने की राह पर चल पड़ा है।

आधुनिक मनुष्य ने ही अपने मन में बसे लालच, लाचारी या भय के कारण स्वाधीनता की जगह पराधीनता का विस्तार करने वालों की गुलामी को भयभीत और मन से लाचार होकर अपनी स्वाधीनता को अपने ही हाथों खोकर पराधीनता को अपनाया। इस दृष्टि से समझें तो जो मनुष्य आत्मविश्वास से भरा है, वह स्वाधीन है और जो खुद पर भी विश्वास नहीं करता और भयग्रस्त रहता है, वह स्वाधीनता का अर्थ और मर्म नहीं जान सकता है।

स्वाधीनता को समझने से पहले यह समझना आवश्यक है कि मनुष्य पराधीनता को क्यों और कैसे स्वीकार या आत्मसात कर लेता है। इतनी लंबी मानव सभ्यता के इतिहास में स्वाधीनता के लिए तरह-तरह के संघर्ष हुए, कुर्बानियां दी गईं, जो आज भी कई रूप में जारी हैं। मानव मन में परावलंबन और मानसिक गुलामी की जड़ें भी शायद इतनी गहरी रची-बसी हैं कि मानव समाज में कहीं न कहीं किसी न किसी तरह की आजादी के लिए आज भी कहीं कोई मनुष्य या उसका समूह संघर्ष करता रहता है।

स्वाधीनता इतनी व्यापक और सहज अवधारणा है जो समझ तो जल्दी आ जाती है और अपने लिए हम चाहते भी हैं, पर अन्य के साथ व्यवहार करते समय हम कई किंतु-परंतु लगा लेते हैं। यहां आकर हम सिद्धांत और व्यवहार में उलझ जाते हैं। शायद यह हम सबके आपसी विश्वास और आत्मविश्वास में कमी के कारण या सही आकलन न कर पाने का दोष भी हो सकता है।

दरअसल, स्वाधीनता जीने का एक ढंग है, जिसमें आचरणगत मर्यादा और उत्तरदायित्व अंतर्निहित है। इसकी मौलिक संकल्पना के मूल में हवा और प्रकाश की तरह सहज, सरल स्वाधीनता की उपलब्धता है। पर ऐसा हम आज तक सुनिश्चित कर नहीं पाए और नतीजतन हम सबने स्वाधीनता में कई किंतु-परंतु लगाकर इसे व्यवस्थागत अवधारणा में बदल डाला है।

अब दुनियाभर की व्यवस्थाओं की अपनी-अपनी स्वाधीनता को लेकर व्याख्याएं हैं, जो स्वाधीनता की लक्ष्मणरेखा खींच कर इसकी मूल अवधारणा को ही बदल देती हैं। खुला मन, खुली सोच और समझ एक तरह से स्वाधीनता के लिए प्राणवायु की तरह हैं। लोकतांत्रिक समाज और व्यवस्था की आधारभूमि पर स्वाधीनता का स्वरूप निखरता है। यह कोई दिखावटी गहना नहीं है, बल्कि जीवन की जीवनी शक्ति या प्राणवायु है। भयग्रस्त मन स्वाधीनता की राह नहीं बनाता। मन का भय पराधीनता को ही लाचार भाव से जीवन की नियति बना बैठता है। हम कह सकते हैं कि स्वाधीनता भय के खिलाफ खुला विद्रोह है। मानव इतिहास गवाह है कि गुलामी का प्रतिरोध बहुत धीरे-धीरे होता है। इस धीमी गति का कारण असुरक्षित मनःस्थिति है। हमारा स्वानुशासन स्वाधीनता का विस्तार करता है। स्वाधीनता अपने आप में सीमातीत और बंधनमुक्त अवधारणा है। फिर भी व्यक्ति, समाज और व्यवस्था के आचरण में अनुशासन की मर्यादा का बिंदु आ जाता है। स्वानुशासन स्वयंस्फूर्त होता है, जबकि अनुशासन व्यवस्थागत संकल्पना है।

स्वाधीनता का अर्थ मनमर्जी और मनमानी से एकदम भिन्न है। स्वाधीनता मूल रूप से स्वाभिमान से जुड़ा विचार है जो व्यक्ति और समाज को निर्भय जीवन और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की आधारभूमि प्रदान करता है। एक सवाल यह भी उठता है कि ऐसा कैसे होता है कि मनुष्य ही मनुष्यों को पराधीन करने की योजना या रणनीति बनाकर मनुष्यों में भय फैलाता है और लोग लाचार या भयग्रस्त हो पराधीन हो जाते हैं।

पराधीनता के खिलाफ अलख जगाने का काम भी मनुष्य समूह ही करते हुए स्वाधीनता की लड़ाई लड़ने की शुरुआत करते हैं। पराधीनता की अति स्वाधीनता की भूख जगाती है और स्वाधीनता में अनमनापन, उदासी, लापरवाही पराधीनता को जन्म देती है। इस तरह स्वाधीनता यानी सदैव चौकस और संवेदनशील रहते हुए भयमुक्त जीवन है। यह मनुष्य की सभ्यता का मूल है और पराधीनता मानवीय असमर्थता की पराकाष्ठा। स्वाधीनता मानव मन की पूर्णता की प्रखर अभिव्यक्ति है। इससे परिपूर्ण मानव सभ्यता मानव-ऊर्जा का वैसा ही सकारात्मक स्वरूप है, जैसा प्राणवायु और सूर्यप्रकाश का प्राकृत स्वरूप होता है।

निर्भयता मन की स्वाधीन और प्राकृत स्थिति है। निर्भय मन ही निर्भय समाज और सभ्यता को आगे बढ़ाता है। भयभीत मनुष्य या समाज स्वाधीनता की रक्षा नहीं कर सकते, पर स्वाधीनता का विचार मनुष्य मन के सारे भयों को दूर करने का द्वार खोलते हैं। स्वावलंबन हमें न केवल व्यक्ति के रूप में, बल्कि सामूहिक रूप से भी स्वाधीनता और स्वाभिमान के साथ जीते रहने की निरंतर ऊर्जा देता है। स्वाधीनता हमारी मूल प्रवृत्ति है और निर्भयता स्वाधीनता का मूल है।

अमेरिका-चीन की टक्कर और रूस से रिश्तों पर सबकी नजर; किसके साथ खड़ा होगा भारत?

कूटनीति का एक प्रमुख दायित्व यह होता है कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उभरते हुए शक्ति-संतुलन का मूल्यांकन करे और ऐसी रणनीति अपनाए, जिससे किसी भी क्षेत्रीय या वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा में राष्ट्र के हित प्रभावित न हों। भारत की विदेश नीति की असल चुनौती यही है कि उसे अमेरिका की एकपक्षीय व्यापारिक नीतियों से पैदा हुए अविश्वास और वैश्विक अस्थिरता का सामना करते हुए भी रणनीतिक तथा आर्थिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक, रणनीतिक, कूटनीतिक और विचारधारा के स्तर पर देश के दीर्घकालीन हितों की दृष्टि से इस पर समग्रता की जरूरत महसूस की जा रही है।

देश की आर्थिक प्रगति निर्बाध चलती रहे, इसलिए निर्यात और ऊर्जा आपूर्ति की सुचारु व्यवस्था कायम रखनी होगी। अमेरिका-चीन के बीच प्रतिस्पर्धा के भू-राजनीतिक प्रभावों को समझते हुए रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखना होगा। बहुपक्षीय मंचों का कूटनीतिक उपयोग करते हुए भी महाशक्तियों की मोर्चाबंदी की कोशिशों से अलग रहना होगा और भारत की समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य की पहचान बनाए रखने के लिए साझेदारी का चुनाव भी समझदारी से करना होगा।

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में बहुपक्षवाद को मजबूत बनाने के संदेश के बीच दुनिया के शांतिपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य की संभावनाएं पुतिन और शी जिनपिंग के नेतृत्व में खोजना राजनीतिक जटिलताओं को बढ़ा सकता है। इससे दुनिया की व्यवस्थागत समस्याएं भी बढ़ सकती हैं और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता।

दरअसल, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक आकांक्षाएं और सुरक्षा चुनौतियां इतनी जटिल हैं कि वह केवल एक शक्ति पर निर्भर नहीं रह सकता। इसलिए उसकी भू-राजनीतिक जरूरतें उसे अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के साथ अलग-अलग स्तरों पर सहयोग और संतुलन साधने के लिए प्रेरित करती हैं। तीव्र आर्थिक विकास की भारत की महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं में अमेरिका की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है।

भारत न केवल अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना, बल्कि अमेरिकी निवेश और पूंजी प्रवाह ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवा क्षेत्र को अभूतपूर्व ऊर्जा प्रदान की है। लाखों भारतीय पेशेवर अमेरिका में कार्यरत हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीयों का नेतृत्व इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। सिलिकान वैली और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच घनिष्ठ संबंध पारस्परिक निर्भरता बढ़ाते हैं।

हाल के वर्षों में रक्षा तकनीकी साझेदारी ने भारत की सैन्य क्षमता को कई गुना बढ़ाया है, जिससे वह क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अधिक सक्षम बन सका है। रणनीतिक दृष्टि से भी अमेरिका भारत के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। चीन की विस्तारवादी नीति, हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी बढ़ती सक्रियता और पाकिस्तान को मिलने वाला उसका समर्थन भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के साथ भारत का सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली और बेजिंग के बीच संबंध सुधरते दिखाई दिए। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक व्यापार और बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सहयोग की गुंजाइश दोनों देशों के बीच बनी रहती है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद ऐसे मंचों पर संवाद भारत को तनाव कम करने और टकराव को नियंत्रित करने का अवसर देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग की मुलाकात से यह उम्मीद बढ़ी है कि व्यापारिक असंतुलन, सीमा पर स्थिरता और ब्रिक्स जैसे मंचों में सहयोग पर बातचीत आगे बढ़ेगी। इससे यह संदेश जाता है कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत संवाद का रास्ता बंद नहीं करता।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की।

भारत के लिए चीन सीमा विवाद, पाकिस्तान गठजोड़, आर्थिक निर्भरता, समुद्री विस्तारवाद और वैश्विक मंचों पर विरोध बड़ी चुनौती है। भारत की विदेश नीति चीन को संतुलित करने के लिए कृतसंकल्प रही है और इस वास्तविकता को नजरअंदाज करने का जोखिम भी नहीं लिया जा सकता। इसलिए रूस, अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भी सहयोग आवश्यक है।

भारत हमेशा सामरिक स्वायत्तता की नीति पर चलता रहा है। यह नीति कहती है कि वह किसी एक शक्ति पर निर्भर न होकर दूसरी शक्तियों के साथ भी संतुलन बनाए। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच रूस भारत के लिए एक संतुलनकारी ध्रुव है। भारत की रक्षा संरचना का बड़ा हिस्सा रूसी तकनीक और हथियारों पर आधारित है। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंकों और पनडुब्बियों तक, भारत की सैन्य क्षमता की रीढ़ रूसी सहयोग से बनी है।

आज भी ब्रह्मोस मिसाइल, एस-400 रक्षा प्रणाली और टी-90 टैंक भारत की सामरिक शक्ति को परिभाषित करते हैं। पश्चिमी देश अक्सर संवेदनशील तकनीक साझा करने से हिचकते हैं, जबकि रूस ने लंबे समय से भारत को ऐसी रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है जो उसकी आत्मनिर्भरता बढ़ाती है। यही कारण है कि भारत के लिए रूस केवल एक आपूर्तिकर्ता नहीं, बल्कि रक्षा सहयोग का स्थायी साझेदार है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पश्चिम से बहुत दूर हो गया है और चीन पर उसकी निर्भरता काफी हद तक बढ़ गई है। भारत के लिए यह स्थिति सामरिक रूप से अनुकूल नहीं है। रूस की चीन पर निर्भरता से पाकिस्तान और रूस के संबंध मजबूत हो रहे हैं। भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती चीन है और अगर रूस उस पर अधिक निर्भर होता है, तो भारत के लिए कूटनीतिक दबाव बढ़ता है। रूस भारत का पारंपरिक रक्षा आपूर्तिकर्ता है, लेकिन चीन के साथ रूस की तकनीकी साझेदारी भारत के लिए असहज स्थिति पैदा करती है।

रूस को पूरी तरह चीन के पाले में जाने से रोकने के लिए भारत को ऊर्जा, रक्षा और निवेश में रूस से रिश्ते बनाए रखने होंगे। वहीं चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को अमेरिका, जापान, फ्रांस और यूरोपीय देशों से सहयोग बढ़ाना होगा। रूस-चीन मित्रता कुछ मामलों में भारत को राहत दे सकती है। जैसे ट्रंप की नीतियों से निपटने के फिलहाल दबाव बनाया गया है, लेकिन दीर्घकाल में अगर रूस चीन पर अत्यधिक निर्भर हो जाता है, तो यह भारत की सामरिक स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए समस्या भी बन सकता है।

रूस और चीन की तुलना में भारत निश्चित रूप से एक उभरती हुई शक्ति है। यह एक युवा, बड़ी आबादी, तेज आर्थिक विकास, मजबूत लोकतंत्र और हिंद-प्रशांत में रणनीतिक स्थिति से लाभान्वित हो रहा है। जबकि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के अभाव, चीन की तुलना में कम वैश्विक पहुंच और मध्यम स्तर की सैन्य-तकनीकी आत्मनिर्भरता भारत की प्रमुख समस्याएं हैं। रूस और चीन के मजबूत रिश्ते भारत के लिए दोधारी तलवार की तरह हैं। एक ओर यह बहुध्रुवीयता और वैश्विक संतुलन को बढ़ावा देकर भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करते हैं, तो दूसरी ओर यह चीन-पाकिस्तान धुरी को और मजबूत बना कर भारत की सुरक्षा और सामरिक स्वतंत्रता के लिए नई चुनौतियां पैदा करते हैं।

उपमुख्यमंत्री शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

छात्रों के भविष्य को बनाने एवं देश के विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका-उपमुख्यमंत्री

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को जिला पंचायत के सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 513 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरू का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को शिक्षा के क्षेत्र में पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा गया है। प्रयागराज शिक्षा के हर क्षेत्र में प्रतिभाओं को उभारने का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश शिक्षा के बिना उन्नति नहीं कर सकता है और शिक्षा की मजबूत नीव डालने का काम आप शिक्षकों के द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा नकल माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आज हमारा मुकाबला देश के अलग-अलग प्रदेशो से नहीं है, बल्कि हमारा मुकाबला दुनिया के टॉप देशो के साथ है। उन्होंने सभी गुरूजनों को प्रणाम करते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में आपकी शिक्षा व आर्शीवाद के कारण हमारे देश की प्रतिभाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का काम किया है। आज अंतरिक्ष की बात हो, तो वहां भी भारत का तिरंगा फहरा रहा है। उन्होंने कहा कि धरती पर तो भारत की जय-जयकार हो ही रही है। धरती के अतिरिक्त अंतरिक्ष में भी हमारे वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का कार्य किया है। उपमुख्यमंत्री ने ग्रुप कैप्टन सुभ्रांशु शुक्ला की उपलब्धियों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन सुभ्रांशु शुक्ला से मुलाकात के समय कहा था कि बहुत जल्द ही अंतरिक्ष में भारत का भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक चंद्रमा के दक्षिणी क्षोर पर दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा है, वहां पर सबसे पहले भारत पहुंचा और अपना तिरंगा फहराया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास में शिक्षकों की भूमिका बहुत बड़ी होती है। उन्होंने कहा कि आपकी भूमिका के बगैर कोई भूमिका होती ही नही, जब आप

आप विद्यार्थियों को स्वदेशी सामानों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जो व्यापार करते है, वे स्वदेशी सामान ही बेंचे। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाना है, भ्रष्टाचार से मुक्त भारत बनाना है। सम्पूर्ण प्रतिभाओं से पूर्ण भारत बनाना है, इसमें आप सभी शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, जिस प्रकार से आप छात्रों को शिक्षा व संस्कार देंगे एवं बच्चों को तैयार करने का काम करेंगे, वे बड़े होकर अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब की यह भी जिम्मेदारी है कि छात्र मोबाइल का उपयोग अच्छे कार्यों में करें, इसके लिए आप सभी बच्चों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को संवारने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और शिक्षक हमारी डबल इंजन की सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री व प्रदेश मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काफी तेसे विकास के पथ पर अग्रसर हुआ है। कहा कि सरकार का लक्ष्य गरीब को अमीर बनाना एवं गरीब के बच्चो को शिक्षित बनाना है, उनको राष्ट्र की मुख्यधारा का हिस्सा बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज पूरे विश्व में चौथे नम्बर की अर्थव्यवस्था है, जिसे 2027 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम सभी को स्वदेशी को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में आप सभी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और आप सभी संस्थान में पढ़ रहे बच्चों को इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज हम हर क्षेत्र में तेसे विकास कर रहे है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज आज विकास के एक नए मुकाम पर आगे बढ़ रहा है। प्रयागराज के और विकास के लिए आप सभी का सुझाव एवं मार्गदर्शन अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के विकास के लिए प्रदेश के विकास के लिए सरकार का खजाना खुला हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त परीक्षाओं को सम्पन्न कराने का काम किया है। उममुख्यमंत्री ने सभी शिक्षकों को एक बार फिर बधाई एवं शुभकामनाएं देते है कहा कि आप सभी की जो भी समस्यायें है, वे हमारे संज्ञान में है, उन समस्याओं का समाधान कराया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, विधान परिषद के सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र सिंह गौड़ व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज में भव्य समारोह आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

कोखराज। जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज, चाकवन चौराहा, में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती की स्मृति में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों को सम्मानित किया। नृत्य, कविता पाठ, नाटक और भाषण जैसे विविध कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य नारायण सिंह ने अपने संबोधन में कहा की शिक्षक केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना और उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों के भीतर शिक्षकों के प्रति सम्मान और प्रेरणा की भावना को और गहरा किया। इस अवसर पर नीलम सिंह, प्रीति सिंह, रिचा सिंह, राकेश पाठक, उदय सिंह, प्रिया, रंजना, अमिता, वैशाली, अदीबा, सुबेश, दीपिका, विनोद आदि शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे।

भाषण प्रतियोगिता में गूँस्वच्छता की गूंज', यह आयोजन रहा शून्य अपशिष्ट यानी जीरो वेस्ट इवेंट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर नगर निगम प्रयागराज और श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस द्वारा 'स्वच्छता का पाठ, गुरु-शिष्य परंपरा के साथ' भाषण प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर निगम प्रयागराज एवं इंदौर की संस्था श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के संयुक्त तत्वावधान में नगर निगम सभागार में भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

इस विशेष आयोजन में शहर के 85 विद्यालयों से छात्र-छात्राएँ और उनके अभिभावक और शिक्षक, कुल मिलाकर लगभग 250 लोग सम्मिलित हुए। यह सभी विद्यालय नगर निगम प्रयागराज द्वारा बनाए गए स्वच्छ सारथी क्लब से जुड़े हुए हैं। अब तक 120 विद्यालयों में ऐसे क्लब गठित किए जा चुके हैं, जो विद्यालय परिसर के साथ-साथ सामुदायिक स्वच्छता के लिए भी संकल्पित हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों और निर्णायक मंडल द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ।

इसके उपरांत हेड ऑफ आईईसी, कृष्ण कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम एवं शर्तों की जानकारी दी और स्वच्छ सारथी क्लब की भूमिका पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के शून्य अपशिष्ट आयोजन गाइडलाइन के अनुरूप आयोजित किया गया।

बैनर कपड़े के बने थे, नाश्ते में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग शून्य रहा। बोतलें, प्लेटें और अन्य सामग्री स्टील की प्रयोग में लाई गईं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और निर्णायकों को सहायक नगर आयुक्त सुदीपशिखा पांडे ने स्मृति चिन्ह और स्वच्छता किट भेंटकर सम्मानित किया।

श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के अशोक पटेल ने कचरा पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण पर जानकारी दी। इस दौरान कार्यक्रम में नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के रोहित चंदेल, रजत जाटव नगर निगम से दिग्विजय सिंह, सत्यम पाल इत्यादि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी 250 प्रतिभागियों को स्टील की बोतल, टिफिन, डायरी, पेन और कपड़े का झोला देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन प्रयागराज की स्वच्छता को नई दिशा देने की दिशा में एक और सशक्त कदम सिद्ध हुआ।

शिक्षक दिवस परआज सपा कार्यालय में गोष्ठी आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर आज सपा के जिला कार्यलय जार्ज टाउन में गोष्ठी आयोजित कर देश के दूसरे राष्ट्र पति, शिक्षा विद डॉ सर्व पल्ली राधाकृष्णन को उनके देश हित में किये गए महत्वपूर्ण कार्य को याद किया गया। शिक्षा के महत्व एवं सामाजिक निर्माण में शिक्षकों के योगदान को विशेष बताते हुए कहा गया कि शिक्षा व्यक्ति को जागरूक ही नहीं जिम्मेदार भी बनाती है। वर्तमान में इस सोसल मीडिया के युग में शिक्षकों की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। जिसे हर शिक्षक को समझना होगा।

इस मौके पर पूर्व राष्ट्र पति स्व डॉ सर्व पल्ली राधा कृष्णन के चित्र पर फूल अर्पित कर नमन किया गया। गोष्ठी में सर्व जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, दूधनाथ पटेल, रविन्द्र यादव, महेन्द्र निषाद, शांति प्रकाश, ओ पी पाल, लालचंद्र कुशवाहा, महबूब उस्मानी, तेज बहादुर भारतीय, सुरेश कुमार, जगदीश यादव, देवीलाल, राकेश सिंह, सी एल यादव, नेहा सोनी, पारुल मिश्रा आदि ने अपने विचार व्यक्त किया।

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया शिक्षकों का सम्मान

राग द्वेष से ऊपर उठकर कार्य करें शिक्षक - प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर कुलपति ने शिक्षकों को सम्मानित किया। सरस्वती परिसर स्थित तिलक सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकों का कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान के क्रम में सभी प्राध्यापकों पर पुष्प वर्षा की गयी। शिक्षक दिवस के पुनीत अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का एन आई आर एफ रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन

में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी अध्यापकों से मेहनत कर विश्वविद्यालय को उन्नत शिखर पर ले जाने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि गुरु हमेशा प्रकाश दिखाता है, अंधकार को मिटाता है। वह स्वयं जल कर दूसरों को प्रकाशित करता है। उन्होंने कहा कि राग, द्वेष, रंग, समुदाय की भावना से ऊपर उठकर एक शिक्षक के रूप में काम करें, एक शिक्षक के रूप में किया गया काम विश्वविद्यालय को आगे ले जाएगा। एक शिक्षक अपने कर्तव्य के दायित्व का निर्वहन करेगा तो राष्ट्र का उत्थान होगा और 2047 में विकसित भारत का सपना साकार होगा।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी ने वर्तमान में शिक्षक की भूमिका, कर्तव्य एवं दायित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में गुरु शिष्य परंपरा प्राचीन काल से काफी समृद्ध रही है। समारोह में शोध छात्रों ने भी कुलपति को पुष्प देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित त्रिदिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलपति प्रोफेसर सत्य काम ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर संजय सिंह ने दिया।

नाज़िया सुल्ताना को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज की शिक्षिका नाज़िया सुल्ताना को जनपद स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह ने समग्र शिक्षा विभाग प्रयागराज में उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।वह विकास खंड जसरा से सम्मानित होने वाली एक मात्र शिक्षिका थी। उन्हें मीना मंच के बेहतरीन संचालन बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व विद्यालय में बच्चों के ठहराव में योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।उनके सम्मानित होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी, शिक्षक भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता शरद कुमार शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें बधाई दिया।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित राजयोग शिविर में प्रोफेसर ई वी गिरीश होंगे मुख्य वक्ता

प्रयागराज। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में धनुआ स्थित सद्भावना भवन में तीन दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन 6 से 8 सितंबर तक किया गया है।

राजयोग शिविर का विषय जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन रखा गया है जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मुंबई से पधारे प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय काउंसलर ब्रह्माकुमार प्रोफेसर ई वी गिरीश शामिल होंगे।

ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने बताया कि प्रोफेसर गिरीश मुंबई विश्वविद्यालय में पिछले 10 साल से ज्यादा समय से पढ़ा रहे हैं एवं भारत के विभिन्न संस्थाओं जैसे कि आईआईटी मुंबई, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र सहित भारतीय थल सेना, वायु सेवा एवं जल सेना के विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गिरीश भाई को 25 साल से ज्यादा का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का अनुभव है। गिरीश भाई के इस व्यापक अनुभव का लाभ प्रयागराज वासियों को दिलाने के उद्देश्य से यह राजयोग शिविर आयोजित किया गया है जिसमें 6 से 8 सितंबर, शाम को 6 से 8:00 बजे तक वह विभिन्न व्याख्यानों एवं अभ्यासों के द्वारा हम सभी को आध्यात्मिक जगत की गहराइयों में ले जाएंगे। मनोरमा दीदी ने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शहर के महापौर गणेश चंद्र केसरवानी एवं शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित होंगे, उन्होंने जनपद वासियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में सम्मिलित होकर उपरोक्त कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया।

शिक्षक जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं : खंड शिक्षा अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। उच्च प्राथमिक विद्यालय थरवई में शुक्रवार को शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र, विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय एवं प्रदेश संरक्षक डॉ. बालकृष्ण पांडे ने संयुक्त रूप से किया।

समारोह में मौजूद अतिथियों ने शिक्षकों की भूमिका और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे।मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र ने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक मार्गदर्शक होते हैं। राष्ट्र निर्माण और प्रगति की नींव शिक्षक ही रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों का संचार करना ही सच्चे शिक्षक का दायित्व है।

विशिष्ट अतिथि सुमन मिश्रा ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सीखते हैं उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी मजबूत और मूल्य आधारित बन सके।

डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण के सच्चे शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन होना चाहिए। शिक्षक के बिना किसी भी समाज की कल्पना अधूरी है।

डॉ. बालकृष्ण पांडे ने कहा कि शिक्षा वह साधन है, जो व्यक्ति को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक बच्चों को केवल विद्या ही नहीं देते, बल्कि उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी से करें।समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। प्रमुख रूप से कला देवी, आशा देवी, गायत्री देवी, दिनेश चंद्र शुक्ला, दिनेश चंद्र पांडे, आशा पटेल, राजेंद्र गिरी, रमेश शुक्ला, मत्स्येंद्र द्विवेदी, प्रतिभा त्रिपाठी, वीना मिश्रा, कंचन शर्मा, डॉ आर डी तिवारी, अर्चना पांडे, धर्मराज यादव, अंजना यादव, शिवचंद यादव, सौरभ त्रिपाठी, अल्पना सिंह, अतुल कुशवाहा, वेद मणि पांडे, विजय प्रकाश गुप्ता सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।ग्राम प्रधान राजेश कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि समाज और गांव के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, कविता, नृत्य और नाटक के माध्यम से बच्चों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।समारोह का संचालन विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने अर्पित की 5 किलो चांदी की गदा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के धामणकर नाका मित्र मंडल एवं स्वाभिमान सेवा संस्था का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपरानुसार आयोजित 37वां भव्य गणेशोत्सव इस वर्ष भी धार्मिक आस्था और समाजसेवा का संगम बनकर उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस गणेशोत्सव की खास बात यह रही कि भाजपा महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने 'एकात्मतेचा राजा बाप्पा' के चरणों में 5 किलो वजनी चांदी की गदा अर्पित की। यह गदा उन्होंने अपने नवस (मनौती) पूर्ण होने पर समर्पित की। आयोजन समिति ने इस क्षण को भक्तिभाव और इतिहास से जुड़ा हुआ बताया। धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ मंडल ने इस वर्ष भी समाज जागरण और सेवा कार्यों को प्रमुखता दी है। रवींद्र चव्हाण के हाथों गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। यह पहल महिलाओं के आत्मनिर्भरता और समाज उन्नयन का प्रतीक बनी। गणेशोत्सव की पृष्ठभूमि पर मंडल ने कई प्रेरणादायी विषयों को भी स्थान दिया है। इतिहास और गडकिल्लों की परंपरा, राष्ट्रभक्ति का संदेश, महिला सशक्तिकरण, 'हर घर तिरंगा' अभियान और ऑपरेशन सिंदूर जैसे उपक्रमों ने इस उत्सव को धार्मिक कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर सामाजिक और प्रेरणादायी पर्व बना दिया है। मंडल अध्यक्ष श्री संतोष एम. शेट्टी ने बताया कि गणेशोत्सव केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, श्रद्धा, इतिहास और समाजसेवा का अद्वितीय संगम है, जिसका साक्षात उदाहरण धामणकर नाका मित्र मंडल प्रस्तुत कर रहा है।

वंजारपट्टी नाका का उड़ान पुल बना शराबियों अड्डा बना

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी । भिवंडी के वंजारपट्टी नाका स्थित उड़ान पुल के नीचे का इलाका शराबियों का अड्डा बन चुका है। वजह है यहीं पर संचालित मनोहर वाइन शॉप, जिसके कारण देर शाम होते ही शराबियों की भीड़ जुट जाती है। पुल के नीचे शराब पीने वालों का यह जमावड़ा स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बन गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मुस्लिम बहुल्य इलाके में वाइन शॉप के मालिक ने शराबियों के लिए बाकायदा पानी और कचरे का डिब्बा तक उपलब्ध करवा रखा है, ताकि वे बेझिझक वहीं शराब पीकर गंदगी फैलाते रहें। नतीजा यह है कि सड़क पर से गुजरने वाले राहगीरों और नमाज़ियों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। गौरतलब है कि पास में ही मस्जिद स्थित है और नमाज़ के वक्त इस रास्ते से बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। निज़ामपुर पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाली इस वाइन शॉप के खिलाफ स्थानीय लोगों ने कई बार शिकायत की है।

शराबियों की हुड़दंग और असामाजिक हरकतों से महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा का अहसास होता है। शिकायतों के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।निवासियों का कहना है कि शराबियों का यह अड्डा धीरे-धीरे अपराध और आसामाजिक गतिविधियों को भी जन्म दे सकता है। वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन तुरंत इस वाइन शॉप पर सख्त कार्रवाई करे और उड़ान पुल के नीचे की जगह को शराब मुक्त बनाए,जब सरकार नशा-मुक्ति को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, तो भिवंडी जैसे घनी आबादी वाले इलाके में पुलिस और प्रशासन शराबियों को संरक्षण क्यों दे रहे हैं। अगर जल्द ही कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

भिवंडी में प्लास्टिक प्रतिबंध की उड़ रही धज्जियां, मनपा-ठेकेदार की मिलीभगत से कानून बना मजाक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य सरकार के सिंगल-यूज प्लास्टिक पर लगाए गए कड़े प्रतिबंध को भिवंडी शहर में धता बताया जा रहा है। गलियों और बाजारों में प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियां खुलेआम बिक रही हैं, जबकि नगर प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। आरोप है कि इसमें मनपा और ठेकेदार की गहरी मिलीभगत है। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका ने 26 जून 2025 से तीन महीने के लिए उल्लासनगर की मे.रेयान इंटरप्राइजेस कंपनी को प्लास्टिक पकड़ने और जुर्माना वसूलने का ठेका दिया गया है। इस अनुबंध की अवधि 25 सितंबर को खत्म हो रही है। समझौते के अनुसार, वसूले गए जुर्माने में से 60 प्रतिशत हिस्सा मनपा को और 40 प्रतिशत ठेकेदार को मिलना तय था। लेकिन सूत्र बताते हैं कि यह व्यवस्था भ्रष्टाचार की फैक्ट्री में बदल चुकी है।

ठेकेदार के कर्मचारी प्लास्टिक पकड़ने का सिर्फ दिखावा करते हैं। हकीकत में वे कारोबारियों से सांठगांठ कर मोटी रकम वसूलते हैं। हैरानी की बात यह है कि पिछले तीन महीनों में कितनी प्लास्टिक जब्त हुई और कितना जुर्माना वसूला गया–इसकी कोई स्पष्ट जानकारी न तो ठेकेदार के पास है और न ही मनपा के स्वास्थ्य व स्वच्छता विभाग के पास।

शहर के पांचों प्रभागों में पांच-पांच कर्मचारी तैनात किए गए हैं, लेकिन उनका असली काम अवैध धंधे को संरक्षण देना और जुर्माने की रकम से जेब भरना बताया जा रहा है। नतीजतन, भिवंडी में प्रतिबंधित प्लास्टिक का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है।जनता और पर्यावरण इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। सवाल उठता है कि जब कानून लागू कराने वाले ही भ्रष्टाचार में डूबे हों, तो आम नागरिकों से नियम पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है? विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो प्लास्टिक प्रतिबंध सिर्फ दिखावा बनकर रह जाएगा और शहर की सड़कों पर कानून की लाश बिखरी नजर आएगी।

10 महीने से फरार हत्या का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार, शांतिनगर पुलिस की बड़ी कामयाबी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शांतीनगर पुलिस ने दस महीने से फरार चल रहे एक हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पर प्रेम प्रसंग के चलते एक महिला की हत्या का आरोप है। गिरफ्तारी मध्यप्रदेश के इंदौर से की गई। मामला 28 अक्टूबर 2024 का है, जब भदोही (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला आरोपी राजू महेन्द्र सिंह (22 वर्ष) हत्या के बाद फरार हो गया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन वह मोबाइल फोन बंद कर बार-बार अपना ठिकाना बदलकर बच निकलता रहा। कभी उत्तर प्रदेश तो कभी मध्यप्रदेश के अलग-अलग इलाकों में छिपकर वह पुलिस को गुमराह करता रहा। हाल ही में शांतीनगर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इंदौर के देवास नाका इलाके में छिपा हुआ है।जानकारी पुख्ता होने पर पुलिस टीम ने इंदौर क्राइम ब्रांच से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की। आरोपी ने खुद को सूरज बताकर पुलिस को धोखा देने की कोशिश की, लेकिन उसके हाथ पर बने टैटू ने राज खोल दिया। विशेष जाल बिछाकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की चौकसी के आगे उसकी सारी चालें नाकाम रहीं। आरोपी को तुरंत भिवंडी लाया गया और अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 8 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में डीसीपी शशिकांत बोराटे, एसीपी सचिन सांगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़, पुलिस निरीक्षक अतुल अहूरकर और विनोद पाटिल के मार्गदर्शन में एपीआई सुरेश चोपडे, पुलिस हवलदार रिजवान सैय्यद, राजेश पाटिल, निलेश महाले समेत पुलिस की टीम शामिल रही। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजू सिंह की गिरफ्तारी न सिर्फ जांच में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि इससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने का रास्ता भी साफ हो गया है। इस सफलता ने एक बार फिर संदेश दिया है कि कानून से अपराधी कितने भी समय तक क्यों न भागे, बच नहीं सकते।

भिवंडी में 800 सीसीटीवी और 20 ड्रोन कैमरे द्वारा शहर भर की निगरानी

विसर्जन पर पुलिस का चाकचौबंद इंतजाम,चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। अतिसंवेदनशील शहर भिवंडी में अनंत चतुर्थी के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने चाकचौबंद इंतजाम किया है। राज्य रिजर्व बल की टुकड़ियों के साथ 927 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को तैनात किया गया था। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने दी हैं। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि भिवंडी पुलिस उपायुक्त सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल व घरेलू गणपति विसर्जन को सुचारू व शांति पूर्वक रूप से संपन्न कराने के लिए गणेशोत्सव मंडलों, शांति समिति के सदस्यों, पुलिस मित्रों, महिला सतर्कता समिति के सदस्यों, मोहल्ला समितियों को सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें भी सतर्क रहने के साथ उचित निर्देश दिए गए हैं।विसर्जन के दौरान 2 पुलिस उपायुक्तों, 3 सहायक पुलिस आयुक्त , पुलिस निरीक्षक 17, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक/पुलिस उपनिरीक्षक 93, पुलिस अमलदार 590, महिला पुलिस अमलदार 162, होमगार्ड 65, राज्य रिजर्व बल की दो टुकड़ियाँ, आरसीपी मोबाइल जोन 2 स्ट्राइकिंग तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही, गणपति विसर्जन जुलूस मार्ग पर शहर के प्रमुख स्थानों पर 800 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जबकि विसर्जन जुलूस पर 20 ड्रोन कैमरों से नज़र रखी जाएगी। साथ ही, प्रत्येक सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के साथ समन्वय अधिकारी, पुलिस अमलदार, शांति समिति के सदस्य और पुलिस मित्रों को तैनात किया गया है। पुलिस उपायुक्त भिवंडी शशिकांत बोराटे ने बताया कि शहर में जो अपराधी प्रवृत्ति के लोगो की छानबीन पुलिस मुस्तैदी से कर रही है, ऐसे अवांछनीय तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों के साथ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिछले साल अनंत चतुर्दशी पर इसी तरह की पत्थरबाजी के बाद काफी तनाव फैल गया था, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा था। उस घटना के बाद, तत्कालीन पुलिस उपायुक्त श्रीकांत परोपकारी का तबादला कर दिया गया था। इन घटनाओं को देखते हुए, इस साल गणेशोत्सव के दौरान पुलिस प्रशासन ने पूरे शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है।

भिवंडी का पद्मा नगर

देशी शराब, जुआ और हुक्का पार्लर का बना गढ़

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी । भिवंडी का पद्मा नगर अवैध गतिविधियों का नया गढ़ बनकर उभर रहा है। कभी सिर्फ हाथ भट्टी की अवैध दारू के लिए बदनाम यह इलाका अब जुए और हुक्का पार्लरों का केंद्र बन गया है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, दर्जनों देशी शराब की दुकानें, गली-मोहल्लों में संचालित जुए के अड्डे और गुपचुप चल रहे हुक्का पार्लर युवाओं को नशे और बर्बादी की राह पर धकेल रहे है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब कुछ शहर पुलिस थाने की सीमा में हो रहा है। आरोप है कि पुलिस कार्रवाई के बजाय महज दिखावा करती है, जबकि असल में शराब और जुए के माफियाओं से हर हफ्ते मोटा 'हफ्ता' वसूला जाता है। संरक्षण के इसी खेल के कारण यह गोरखधंधा दिनोंदिन फैलता जा रहा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि मोनिका बार के आसपास, सोनार पाडा मैदान, अलका बार के पास, प्रभाग समिति क्रमांक तीन कार्यालय के सामने, गणेश टॉकीज, भद्रावासी नगर, लोहाटी कंपाउंड, बाबू दगडू पाटिल चौक, मनिषा होटल के पीछे, सब का होटल खोका कंपाउंड और फुले नगर तक हाथ भट्टी की शराब खुलेआम बिक रही है। वहीं कामतघर, खदान रोड, फेना पाडा, कणेरी और शास्त्री नगर में भी इसका जाल फैल चुका है।

सिर्फ शराब ही नहीं, बल्कि कई मकानों और गलियों में जुए के ठिकाने भी धड़ल्ले से चल रहे हैं। दिन-रात दांव लगते हैं और कई परिवार इस लत के कारण बरबादी के कगार पर पहुंच चुके हैं। उधर, कुछ बंद पॉवर लूम के कारखानों में हुक्का पार्लर धड़ल्ले से चल रहे हैं, जहां नाबालिग लड़कों तक को तंबाकू और नशे से भरे फ्लेवर हुक्के आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे है। सलीम मारवारी नामक हुक्का पार्लर में तो देर रात तृतीय पंथी का डांस भी करवाया जाता है। इलाके की महिलाएं कहती हैं कि सस्ती शराब और जुए की लत ने उनके घरों को उजाड़ दिया है। परिवार की कमाई नशे और जुए में उड़ रही है, बच्चों की पढ़ाई रुक गई है और कई घर कर्ज के बोझ में दब गए है। स्थानीय नागरिकों का साफ कहना है कि जब तक पुलिस और माफियाओं की मिलीभगत खत्म नहीं होगी, तब तक यह अवैध कारोबार थमने वाला नहीं है। शहर की भावी पीढ़ी को बचाने के लिए अब लोग ठोस कार्रवाई की मांग तेज़ी से उठा रहे है।

तबेला व्यवसायी के बेटे के अपहरण की कोशिश, पुलिस में मामला दर्ज

भिवंडी।भिवंडी शहर में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। फक्की कंपाउंड इलाके में अज्ञात बदमाशों ने एक तबेला व्यवसायी के बेटे का अपहरण करने की कोशिश की। हालांकि पीड़ित किशोर की सूझबूझ और शोरगुल के कारण आरोपी अपना मंसूबा पूरा नहीं कर सके और मौके से फरार हो गए.मिली जानकारी के अनुसार, हमालवाड़ा निवासी मुशीर अहमद मोमिन के छोटे भाई का बेटा अब्दुल रेहमान मुजीब मोमिन (17) रोज की तरह अरबी की कक्षाओं में शामिल होने के लिए फक्की कंपाउंड गया था। रात करीब 8:40 बजे जब वह पैदल घर लौट रहा था, तभी अचानक कुछ अज्ञात लोग उसे जबरन पकड़कर गाड़ी में बिठाने की कोशिश करने लगे। अब्दुल रेहमान ने विरोध करते हुए शोर मचाया। इसी बीच आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिससे आरोपी घबरा गए और भाग निकले। इस दौरान किशोर को चोटें भी आईं। परिजनों का आरोप है कि इससे पहले भी परिवार को धमकियां मिल चुकी है। घटना की जानकारी मिलते ही भोईवाडा पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित के बयान के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण की कोशिश और मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों में भिवंडी शहर में नाबालिगों के अपहरण की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे नागरिकों में दहशत का माहौल है।

मध्य रेल ने उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) सम्मेलन का आयोजन किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने 29 और 30 अगस्त, 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

सम्मेलन की अध्यक्षता मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीना ने की। अपने संबोधन में, महाप्रबंधक ने पिछले तीन वर्षों में निर्माण संगठन के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें क्रमशः 248 किमी, 348 किमी और 315 किमी रेलमार्गों का निर्माण कार्य पूरा हुआ है, और टीमों को उनकी निरंतर प्रगति के लिए बधाई दी। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि मध्य रेल, निर्माण विभाग को 2023-24 में सभी क्षेत्रीय रेलों में प्रथम स्थान और 2024-25 में द्वितीय स्थान मिला है, जो संगठन की प्रतिबद्धता और दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि 2025-26 तक 363 किमी का लक्ष्य प्राप्त किया जाए, जिसमें दोहरीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग कार्यों को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया जाए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री अवनीश कुमार पांडे ने किया और इसमें प्रमुख विभागाध्यक्षों, मुख्य इंजीनियर, उप मुख्य इंजीनियर, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, उप वित्तीय सलाहकारों के साथ-साथ मुख्यालय और क्षेत्रीय इकाइयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं और चर्चाएँ हुईं, जिनमें शामिल हैं:

भूमि अधिग्रहण की चुनौतियाँ और प्रक्रिया में तेजी लाने के उपाय।

कार्यान्वयन के दौरान संरेखण सुधार।

इंजीनियरिंग खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) अनुबंध और क्षेत्रीय स्तर की चुनौतियाँ।

इंजीनियरिंग स्केल प्लान (ईएसपी) में सुधार और परिवर्तनों एवं देरी को कम करने के उपाय।

निरीक्षण के दौरान रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा उठाए गए मुद्दे।

अतिरिक्त उच्च वोल्टेज (ईएचवी) क्रॉसिंग संबंधी समस्याएँ और उनका समाधान।

इंजीनियरिंग कार्यों के साथ सिग्नल एवं दूरसंचार एकीकरण संबंधी समस्याएँ।

सम्मेलन का समापन 30 अगस्त को सभी अधिकारियों द्वारा बेहतर नियोजन, अंतर-विभागीय समन्वय और नवीन पद्धतियों को अपनाकर 2025-26 के लक्ष्यों को निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि के साथ हुआ।

मध्य रेल निर्माण संगठन-प्रगति चार्ट

मध्य रेल निर्माण संगठन ने पिछले तीन वर्षों में 900 किलोमीटर से अधिक नए रेल खंडों को सफलतापूर्वक चालू किया है, जिससे यात्री और माल ढुलाई दोनों कोरिडोर को मजबूती मिली है।

चालू वर्ष 2025-26 के लिए, 363 किलोमीटर ट्रैक खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

पुणे-मिरज खंड का दोहरीकरण (260 किलोमीटर चालू) - कर्नाटक की ओर कनेक्टिविटी में सुधार।

दौंड-मनमाड खंड का दोहरीकरण (220 किलोमीटर पूर्ण) - एक महत्वपूर्ण उत्तर-दक्षिण कोरिडोर पर भीड़भाड़ को कम करना।

मनमाड और जलगाँव के बीच तीसरी लाइन (149 किमी शुरू) - दिल्ली-मुंबई मार्ग पर क्षमता में वृद्धि।

अहमदनगर-बीड-परली नई लाइन (198 किमी पूर्ण) - मराठवाड़ा तक रेल पहुँच प्रदान करती है।

बेलापुर-उरण नई उपनगरीय लाइन - एक ऐतिहासिक उपनगरीय परियोजना, जो अब नवी मुंबई से उरण तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करती है और दैनिक यात्रियों और बंदरगाह से संबंधित यातायात, दोनों की ज़रूरतों को पूरा करती है।

चालू परियोजनाएँ

19 परियोजनाओं (2,059 किमी - 1,218 किमी चालू, 841 किमी शेष) पर काम चल रहा है, जिनमें शामिल हैं:

वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किमी) - कोयला और माल ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण।

सेवाग्राम-नागपुर तीसरी और वर्धा-नागपुर चौथी लाइनें (156 किमी) - नागपुर के आसपास भीड़भाड़ कम करना।

इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (279 किमी) - एक प्रमुख मुख्य मार्ग पर क्षमता वृद्धि।

उपनगरीय विस्तार: कल्याण-कसारा तीसरी लाइन, कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन, निलजे-कोपर कॉर्ड - मुंबई उपनगरीय नेटवर्क की भीड़भाड़ कम करने के लिए।

नवीन स्वीकृत परियोजनाएँ

राष्ट्रीय महत्व की नई परियोजनाओं की घोषणा इस प्रकार की गई है:

(13 परियोजनाएँ - 1,421 किमी, 2024-25 और 2025-26 में स्वीकृत)

इंदौर-मनमाड नई लाइन परियोजना (309 किमी),

अजंता गुफाएँ कनेक्टिविटी परियोजना (174 किमी), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन परियोजना, जलगाँव-मनमाड चौथी लाइन परियोजना, राहुरी-शनि शिंगणापुर नई लाइन परियोजना, और

मुंबई और नागपुर के आसपास विभिन्न क्षमता वृद्धि कार्य।

मध्य रेल निर्माण संगठन भारत के रेल बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, रेल संपर्क बढ़ाने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा इतिहास वनडे क्रिकेट में तोड़े दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्जके ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्जके वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्जके ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्जके लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया।

साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अबतक खेले पांच वनडे मैच की पांच पारी में 463 रन बनाए हैं जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टॉम कूपर का रिकॉर्ड तोड़ा। कूपर ने वनडे क्रिकेट में अपनी पहली पांच पारी में 374 रन बनाए थे।

मैथ्यू बीट्जके ने वनडे करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की शतकीय पारी के साथ की। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 83, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 और 88 रन की पारी खेली। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जादूई प्रदर्शन को बरकरार रखा और लॉर्ड्स में 85 रन बनाए। बीट्जके पांच वनडे में एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

गौर है कि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी शेष है। अगर बीट्जके अपने वनडे करियर के छठे मैच में 37 रन बना लेते हैं तो वो वनडे इतिहास में सबसे तेज गति से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। अगर ये कारनामा बीट्जके अर्धशतक के साथ करते है तो उनकी इस उपलब्धि में चार चांद लग जाएंगे।

एशिया कप हॉकी : एशिया कप में भारत की बंपर जीत मलेशिया को 4-1 से हराया; फाइनल में जगह लगभग पक्की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण के अपने दूसरे मैच में मलेशिया को 4-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने धीमी शुरुआत की जबकि शफीक हसन ने दूसरे ही मिनट में मलेशिया को बढ़त दिला दी लेकिन मेजबान टीम ने शानदार वापसी की। मनप्रीत सिंह (17वें मिनट), सुखजीत सिंह (19वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (24वें मिनट) और विवेक सागर प्रसाद (38वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए। भारत ने बुधवार को अपने पहले सुपर 4 मैच में कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस जीत से भारत दो मैच में चार अंक के साथ सुपर 4 तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वह चीन और मलेशिया से आगे है जिनके तीन-तीन अंक हैं जबकि गत चैंपियन कोरिया केवल एक अंक के साथ अंतिम स्थान पर है। शुक्रवार को विश्राम के बाद भारत शनिवार को सुपर 4 के अपने अंतिम मैच में चीन से भिड़ेगा जबकि मलेशिया का सामना कोरिया से होगा। रविवार को होने वाले फाइनल में अपनी जगह

पक्की करने के लिए भारत को चीन के खिलाफ सिर्फ ड्रॉ की आवश्यकता है। मलेशिया बृहस्पतिवार को अपने दो मुख्य खिलाड़ियों के बिना खेला। पिछले मैच में चीनी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई झड़प के बाद अनुशासनहीनता के कारण फितरी सारी को मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था।

अबू कमाल अजराई भी भारत के खिलाफ नहीं खेले। भारत को दूसरे ही मिनट में झटका लगा जब मलेशिया ने हसन के गोल से बढ़त बना ली। मलेशियाई खिलाड़ी हसन ने संजय और जुगराज सिंह को चकमा देकर अपनी रिवर्स स्टिक से गेंद को गोल में पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति थोड़ी कमजोर दिखी लेकिन उसने कोई और गोल नहीं खाया। शुरुआती हमले को छोड़कर भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा और मौकों के मामले में दबदबा बनाए रखा। भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और दूसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनट में लगातार पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से आखिरी को मनप्रीत ने गोल में बदला। मनप्रीत ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के फ्लिक को हाफिजुद्दीन अोथमान द्वारा बचाए जाने के बाद रिबाउंड से गोल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने फिर जोरदार हमले किए और दो मिनट बाद उनके प्रयास रंग लाए। शिलानंद से मिले पास पर सुखजीत ने नजदीक से गोल दागा। इस बढ़त के बाद भारतीय खिलाड़ी अलग नजर आए और उन्होंने मलेशियाई गोल पर लगातार हमले करते रहे। भारत ने जल्द ही शिलानंद के जरिए स्कोर 3-1 कर दिया। हार्दिक सिंह ने दिलप्रीत सिंह को पास दिया और शिलानंद ने मलेशियाई गोलकीपर के पास से इसे डिफ्लेक्ट कर दिया।

अगस्त 2025 में भारत का यूरोप को डीजल निर्यात 137 फीदसी बढ़ा, रोजाना 2.42 लाख बैरल भेजा

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने पर भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। वहीं, भारत से यूरोप को डीजल के निर्यात में तेज़ी देखी जा रही है। अगस्त 2025 में भारत ने यूरोप को रोजाना 2.42 लाख बैरल डीजल भेजा, जो पिछले साल के मुकाबले 137इ ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह तेजी यूरोपीय संघ द्वारा जनवरी 2026 से रूस से कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर लगने वाले प्रतिबंध की तैयारी के कारण है। यूरोप इस प्रतिबंध से पहले डीजल का बड़ा स्टॉक जमा कर रहा है। भारत की प्रमुख कंपनियां, जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रोसेस कर यूरोप को डीजल निर्यात करती हैं। अगर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध लागू हुआ तो इन कंपनियों को नुकसान हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगस्त में यूरोप को डीजल का निर्यात जुलाई के मुकाबले 73इ और पिछले एक साल के औसत से 124इ ज्यादा था। यूरोपीय संघ ने साफ किया है कि जनवरी 2026 से केवल उन उत्पादों को स्वीकार किया जाएगा जिनमें इस्तेमाल किए गए कच्चे तेल की उत्पत्ति देश स्पष्ट हो। अगर कोई देश रूस से तेल लेकर उसे प्रोसेस कर निर्यात करता है, तो उस पर प्रतिबंध लग सकता है।

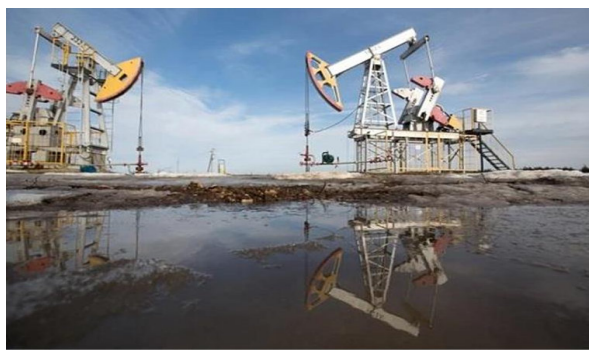

अमेरिका ने कहा है कि भारत के रिफाइनर सस्ता रूसी तेल खरीदकर उसे प्रोसेस कर महंगे दामों पर पश्चिमी देशों को बेच रहे हैं। इससे रूस को अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक मदद मिलती है, जो यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो सकती है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करता है और अगर पश्चिमी देश चाहें तो भारतीय ईंधन खरीदना बंद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं विश्व कप

मेलबर्न **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला, लुकआउट सर्कुलर जारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। मामला निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है। समाचार चैनल एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि शिल्पा और राज पर बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के लिए ये धोखाधड़ी की थी। बिजनेसमैन दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के नाम पर उससे 60 करोड़ रुपये लिए थे।

कोठारी ने कहा कि दोनों ने इस रकम को अपने पर्सनल खर्चों में उड़ा दिया। पहले उसे कहा गया कि यह रकम लोन के तौर पर ली जा रही है, लेकिन बाद में टैक्स बचाने का दावा करते हुए इसे इंवेस्टमेंट के तौर पर दिखाया गया। कोठारी ने कहा कि इस रकम पर 12 फीसदी का सालाना ब्याज देने का भी वादा किया गया था। दीपक कोठारी ने ये भी कहा कि शिल्पा शेट्टी ने खुद उन्हें लिखित रूप में इसकी गारंटी दी थी, लेकिन बाद में शिल्पा ने फर्म के डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। कोठारी ने कहा कि उन्हें काफी बाद में पता चला कि कंपनी के खिलाफ 1.28 करोड़ रुपये के दिवालियापन का मामला भी चल रहा है। हालांकि शिल्पा और राज की तरफ से इन सभी आरोपों का खंडन किया गया है और इसके बदनाम करने के उद्देश्य से लगाए गए आरोप कहा है। आर्थिक अपराध शाखा शिल्पा और राज के ट्रैवल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है और कंपनी के ऑडिटर को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी खपत, बढ़ेगी आय! सीतारमण बोलीं- मध्यम वर्ग का हित सर्वोपरि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को घोषणा की कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी कर सुधारों का लाभ देश के सभी आम लोगों तक पहुँचे। इंडिया टुडे टीवी और आज तक के साथ एक साक्षात्कार में, मंत्री ने उल्लेख किया कि 22 सितंबर के बाद सरकार के पास बहुत काम है और विश्वास व्यक्त किया कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुँचेगा। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि दरों में कटौती का लाभ जनता तक पहुँचे। 22 सितंबर के बाद हमारे पास बहुत काम है। यह एक बड़ी सतर्कता प्रक्रिया है और हमें विश्वास है कि इसका लाभ आम आदमी तक पहुँचेगा।

सीतारमण ने ज़ोर देकर कहा कि नए जीएसटी सुधार देश के मध्यम वर्ग और आम आदमी की बुनियादी ज़रूरतों

और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 90 प्रतिशत वस्तुएँ पाँच प्रतिशत या उससे कम कर स्लैब में आती हैं, जबकि केवल एक प्रतिशत वस्तुएँ ही 40 प्रतिशत कर दर को छूती हैं। सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग, उनकी बुनियादी ज़रूरतें और आकांक्षाएँ जीएसटी सुधारों का मुख्य केंद्र हैं। 99 प्रतिशत वस्तुएँ अब 5इ या उससे कम कर श्रेणी में हैं। केवल एक प्रतिशत ही 40इ कर श्रेणी में आई हैं।'

केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और बीमा कंपनियों सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सरकार को जीएसटी सुधारों को लागू करने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, 'अगर कोई कंपनी इसके विपरीत कहती है, तो हम उनसे बात करेंगे। खपत बढ़ेगी और आय भी बढ़ेगी।' कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, सीतारमण ने कहा कि वे जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कभी 'गब्बर सिंह टैक्स' कहा था। सीतारमण ने कहा, 'जो लोग कभी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर उसका मज़ाक उड़ाते थे, वे अब सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।'

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को मिलाकर जीएसटी दरों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया गया। 5इ स्लैब में आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, जिनमें खाद्य और रसोई की वस्तुएं जैसे मक्खन, घी, पनीर, डेयरी स्प्रेड, पहले से पैक नमकीन, भुजिया, मिश्रण और बर्तन; कृषि उपकरण जैसे ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्प्रिंकलर, जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व, मिट्टी तैयार करने की मशीनें, कटाई के उपकरण, ट्रैक्टर और ट्रैक्टर के टायर; हस्तशिल्प और लघु उद्योग जैसे सिलाई मशीन और उनके पुर्जे और स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे चिकित्सा उपकरण और डायग्नोस्टिक किट शामिल हैं।

बिग बॉस 19 में तान्या मित्तल ने कविता से सबकी बोलती बंद की, साबित कर दिया क्यों हैं 'रियल बॉस'

मुंबई। तान्या मित्तल बिग बॉस 19 की सबसे चर्चित प्रतियोगियों में से एक बन गई हैं। 'आध्यात्मिक प्रभावक' ने शो में अपनी टिप्पणियों से सबका ध्यान खींचा। बिग बॉस 19 के पहले एपिसोड में, तान्या मित्तल ने घरवालों से उन्हें "दे' कहने को कहा। फिर उन्होंने दावा किया कि उनके भाई भी उन्हें 'बॉस' कहकर बुलाते हैं और उन्हें यह बहुत पसंद है। तान्या मित्तल की एक और टिप्पणी जिसने सबका ध्यान खींचा, वह थी जब उन्होंने दावा किया कि वह 'बाथरूम में' साड़ी पहनती हैं क्योंकि वह 'ज़्यादा खुली नहीं रहतीं।' बिग बॉस 19 के घर में तान्या मित्तल के बॉडीगार्ड भी लगातार चर्चा का विषय रहे हैं। तान्या ने शुरुआत में कहा था कि उन्हें अपनी सुरक्षा के साथ घूमना पसंद है, लेकिन कुछ घरवालों ने बाद में बताया कि उनके पास 150 से ज़्यादा बॉडीगार्ड हैं।

सलमान खान द्वारा होस्ट किया जा रहा बिग बॉस 19 लगातार उतार-चढ़ाव से दर्शकों को बांधे हुए है। इस एपिसोड में 'द बिग बॉस शो' नाम का एक बिल्कुल नया सेगमेंट शुरू हुआ, जो गायन, नृत्य, अभिनय और खूब सारी तीखी बहसों से भरपूर एक इन-

हाउस मनोरंजन कार्यक्रम है।

बिग बॉस ने घोषणा की कि नीलम शो की शुरुआत करेंगी, 'आवाज़' शो का समापन करेंगी और ज़ीशान होस्ट की भूमिका निभाएंगे। जहाँ एक ओर प्रतियोगियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, वहीं तान्या मित्तल ने अपनी भावपूर्ण कविता से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस सीज़न में अपने तीखे तेवरों और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली तान्या मित्तल ने टास्क के दौरान अपना एक अलग ही रूप दिखाया।

आध्यात्मिक प्रभावक ने फरहाना पर तंज कसते हुए घर की घटनाओं का वर्णन करते हुए एक कविता सुनाई, जिसका अंत इस पंक्ति से हुआ, 'हीन भावना की तुम सबको बीमारी है।' उनके प्रभावशाली शब्द घरवालों और दर्शकों, दोनों को पसंद आए।

सोशल मीडिया ने तान्या के इस काव्यात्मक पल पर तुरंत प्यार बरसाया। एक एक्स यूज़र ने लिखा, 'उसने सिर्फ़ परफ़ॉर्म ही नहीं किया, बल्कि उस कविता से पूरे एपिसोड पर छा गई।

दलीप ट्रॉफी : पंत की जगह टीम इंडिया में चुने खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए। साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली।

जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला।

जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए। जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके हैं। जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे। जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200इ का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245ङ रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया।

दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते हैं।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

आपूर्ति और स्थापना कार्य

मंडल भंडार कार्यालय मध्य रेल, सोलापुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से रेलवे की ई-खरीद वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। **निविदा संख्या: 96255568. क्र.सं.: 1. पी.एल. संख्या (आइटम कोड)**: 509022780010. **आइटम विवरण / वारंटी / इंस्पेक्शन / टाइप**: आरडीएसओ / एसपीएन / टीसी / 38-2002 संस्करण 2 या नवीनतम के अनुसार 02 चैनल वॉयस डेटा रिकॉर्डिंग और प्रोसेसिंग यूनिट (वीडीआरपीयू) की आपूर्ति। **[वारंटी अवधि**: डिलीवरी की तारीख से 30 महीने तक।] **[इंस्पेक्शन एजेंसी**: टीपीआई, स्टेज इंस्पवशन: नही, **स्टेजेज़**: 0] **[यूवीएएम लिंकिंग: आइटम प्रकार**: गुड्स (सप्लाई)। **मात्रा**: 12. **यूनिट**: नग। **प्रेषिती (कंसाइनी)**: सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेली सीटीओ सोलापुर, मध्य रेल (महाराष्ट्र)। **क्र.सं.: 2. पी.एल. संख्या (आइटम कोड)**: 565172845786. **आइटम विवरण / वारंटी / इंस्पेक्शन / टाइप**: आरडीएसओ/एसपीएन/ टीसी/38- 2002 संस्करण 2 या नवीनतम के अनुसार 02 चैनल वॉयस डेटा रिकॉर्डिंग और प्रोसेसिंग यूनिट (वीडीआरपीयू) की आपूर्ति और इंस्टालेशन। [**वारंटी अवधि**: डिलीवरी की तारीख से 30 महीने तक। **[इंस्पेक्शन एजेंसी**: टीपीआई, **स्टेज इंस्पक्शन**: नही। **स्टेजेज़**: 0] **[यूवीएएम लिंकिंग :] आइटम प्रकार**: गुड्स (सप्लाई)। **मात्रा**: 58. **यूनिट**: नग। **प्रेषिती (कंसाइनी)**: सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेली सीटीओ सोलापुर, मध्य रेल (महाराष्ट्र)। **क्र.सं.: 3. पी.एल. संख्या (आइटम कोड): 609902300085. आइटम विवरण / वारंटी / इंस्पेक्शन / टाइप**: स्टेशन वीएचएफ उपकरण के रेडियो कवरेज क्षेत्र में संचार (कम्यूनिकेशन) रिकॉर्ड करने के लिए वीएचएफ रिसीवर की आपूर्ति और इंस्टालेशन । नोट - वीएचएफ आधारित सुरक्षित संचार (कम्यूनिकेशन) उपकरण में इन-बिल्ट वीएचएफ रेडियो होता है जो संचार (कम्यूनिकेशन) रिकॉर्ड करने के लिए डीजी (ड्राइवर गार्ड) आवृत्ति (फ्रिक्वेंसी) पर कॉन्फ़िगर किया जाता है। यदि रेलवे एक साथ एसएचवाई आवृत्ति (फ्रिक्वेंसी) पर भी संचार (कम्यूनिकेशन) रिकॉर्ड करना चाहता है, तो यह स्थान के अनुसार आवश्यक है। **[वारंटी अवधि**: डिलीवरी की तारीख से 30 महीने तक। **[इंस्पेक्शन एजेंसी**: टीपीआई, **स्टेज इंस्पक्शन**: नही, **स्टेजेज़**: 0] **[यूवीएएम लिंकिंग**:] **आइटम प्रकार**: गुड्स (सप्लाई)। **मात्रा**: 58. **यूनिट**: नग। **प्रेषिती (कंसाइनी)**: सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेली सीटीओ सोलापुर, मध्य रेल (महाराष्ट्र)। **सभी निविदाओं के लिए समान: बयाना राशि: रु. 4,09,860/-. www.ireps.gov.in पर उपरोक्त सभी निविदा बंद होने की तिथि और समय: 11.09.2025 11:30 बजे के बाद।** संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर बार-बार देखे ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट किया जा सके। वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**

DE/Sur-62

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

निविदा सूचना

विषयः- मुंबई शहर के सिटी डिवीजन में पूर्व इंजीनियर ट्र. (शहर) के अंतर्गत विभिन्न वार्डों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दैनिक और आवश्यकतानुसार उत्खनन लोडर (जेसीबी) की किराये पर व्यवस्था।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परिवहन विभाग, निविदा दस्तावेज़ में उल्लिखित अनिवार्य पूर्व-योग्यता मानदंडों के अनुसार योग्य निविदाकर्ताओं से 'मुंबई शहर के सिटी डिवीजन में पूर्व इंजीनियर ट्र. (शहर) के अंतर्गत विभिन्न वार्डों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दैनिक और आवश्यकतानुसार उत्खनन लोडर (जेसीबी) की किराये पर व्यवस्था' कार्य के लिए ऑनलाइन बोलियाँ आमंत्रित करता है।

महानिविदा बोली संख्याः-	**2025_MCGM_1215975_1**
बोली प्रारंभ तिथि और समयः-	**06.09.2025 पूर्वाह्न 11:00 बजे के बाद।**
बोली समाप्ति तिथि एवं समयः-	**13.09.2025, शाम 4.00 बजे तक**

बोलियाँ महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल (mahatenders) (http://mahatenders.gov.in) के ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम से डाउनलोड की जा सकती हैं। साथ ही, निविदा की प्रति बीएमसी के पोर्टल http://portal.mcgm.gov.in के 'ई-प्रोक्योरमेंट' अनुभाग से डाउनलोड की जा सकती है।

कृपया ध्यान दें कि बोली दस्तावेज़ डाक द्वारा जारी या प्राप्त नहीं किया जाएगा। अब से, इस निविदा से संबंधित सभी शुल्क, सूचनाएँ, अद्यतन, संशोधन, शुद्धिपत्र, अन्य विवरण आदि केवल महाटेंडर पोर्टल पर ही पोस्ट किए जाएँगे।

पीआरओ/1505/विज्ञा./2025-26 **कार्यकारी अभियंता परिवहन (शहर)**

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

मध्य रेल

ओएचई के संशोधन कार्य

खुली निविदा सूचना स. BB.LD.585.W.872.CONTR3, दिनांक:02.09.2025. कार्य का नाम: मुंबई डिवीजन में विंसेंट आरयूबी पुल की री-गर्डरिंग के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई संशोधन कार्य। **अनुमानित लागत**: रु. 78,07,484/-. **बिड सिक्योरिटी**: रु. 1,56,200/-. **ऑफर की वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधि**: 12 महीने। **निविदा फार्म का मूल्य**: रु. 0/- . **I) उक्त निविदा का निविदा बंद करने की तारीख और समय: दिनांक 25.09.2025 को 11:00 बजे तक, और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। II)** शुध्दिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्टॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई - 400001. फोन-022-22612355. निविदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विदयुत अभियंता (कर्षण (वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

DE-427

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

ज्ञानवापी, काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार, महमूद मदनी ने आरएसएस के सुझाव का किया समर्थन

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदायों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बातचीत का समर्थन किया और संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों का स्वागत किया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, एक इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही बातचीत के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित कर दिया है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि मतभेद तो हैं, लेकिन उन्हें कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मदनी ने एएनआई को बताया कि बहुत सारे किंतु-परंतु हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि बातचीत होनी चाहिए। मतभेद हैं, लेकिन हमें उन्हें कम करने की ज़रूरत है... हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। हाल ही में, आरएसएस प्रमुख ने ज्ञानवापी और मथुरा-काशी पर बयान दिए।

मुस्लिम समुदाय तक पहुँचने के उनके प्रयासों की प्रशंसा और सराहना की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करेंगे। ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा-काशी विवाद पर भागवत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, मदनी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की बातचीत को मान्यता मिलना ज़रूरी है।

इससे पहले, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर संघ द्वारा आधिकारिक रूप से समर्थित एकमात्र आंदोलन है, हालाँकि सदस्यों को काशी और मथुरा आंदोलनों की वकालत करने की अनुमति है। उन्होंने भारत में इस्लाम की स्थायी उपस्थिति पर ज़ोर दिया, जनसांख्यिकी संतुलन के लिए प्रत्येक भारतीय से तीन बच्चे पैदा करने का आग्रह किया, और नागरिकों के लिए नौकरियों की वकालत करते हुए, असंतुलन के लिए धर्मांतरण और अवैध प्रवासन को ज़िम्मेदार ठहराया।

मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और विमर्श के स्तर में गिरावट की भी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विपक्षी नेताओं और राज्य के नेताओं सहित सभी राजनीतिक दल के नेता अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौलाना मदनी ने पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने के लिए देश के नागरिक समाज को भी श्रेय दिया और कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में हुई होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती।

डॉ जी एस तोमर इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स के डायरेक्टर आयुष रिसर्च नियुक्त

कानपुर। विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर को आयुर्वेद शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के दृष्टिगत इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स, कानपुर ने डायरेक्टर आयुष रिसर्च के पद पर नियुक्त किया है । ज्ञातव्य हो कि डॉ तोमर विगत कई वर्षों से इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स में महर्षि चरक आयुर्वेद रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट स्कीम के चेयरमैन के रूप में कार्य कर रहे हैं । उनके मार्गदर्शन में बीएचयू, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली, भारतीय विद्यापीठ मुम्बई सहित देश के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों / संस्थानों में शोध कार्यशालाएँ एवं ऑनलाइन सर्टिफ़िकेट पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पादित हो चुके हैं । डॉ तोमर

वर्तमान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं । सम्प्रति आप सोसाइटी ऑफ इम्यूनोलॉजी एंड इम्युनोपेथोलॉजी के अध्यक्ष एवं महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं । आप राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटी जयपुर में साइंटिफिक एडवाइज़री कमेटी के सदस्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की रिसर्च एडवाइज़री कमेटी के सदस्य एवं आयुष-एनटीईपी कोलेबोरेसन के तकनीकी समूह के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं । प्रोफ़ेसर तोमर पूर्व में आप राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हण्डिया, प्रयागराज के प्राचार्य, कानपुर विश्वविद्यालय में आयुर्वेद एवं यूनानी संकाय के डीन, बीएचयू की आयुर्वेद संकाय में एडजंक्ट प्रोफेसर एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ में सम्मानित गुरु भी रह चुके हैं । दर्जनों राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित डॉ तोमर निरन्तर आयुर्वेद की वैज्ञानिकता को विश्व के कोने कोने में प्रचारित एवं प्रसारित करने में सन्नद हैं ।

तेजस्वी के डांस पर बड़े भाई तेज प्रताप का सियासी तंज! हर किसी का अपना हुनर है, श्रीकृष्ण भी नाचते थे

पटना। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी राज्य बिहार में चल रही सियासत के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव विपक्ष की मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के एक दिन बाद, पटना के मरीन ड्राइव एक्सप्रेसवे पर लड़कों के साथ नाचते नज़र आए। यह वीडियो उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। तेजस्वी खुशी-खुशी ग्रुप में शामिल हो गईं और उन्होंने कुछ ट्रेंडिंग डांस स्टेप्स सीख लिए और यहां तक ??कि बॉलीवुड अभिनेता और शीर्ष डांसर ऋतिक रोशन के सिग्नेचर स्टेप्स की नकल करने की भी कोशिश की।

हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादन ने भी उनपर तंज कसा है। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के नाचते हुए वायरल वीडियो पर कहा कि अगर वह नाच रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? अगर वह नाचना चाहते हैं, तो वह नाचेंगे। उन्हें कौन रोक सकता है? कई बार ऐसा होता है जब मैं बांसुरी बजाता हूं। हर किसी का अपना कौशल होता है... युवा नृत्य करने के लिए प्रेरित होंगे। श्री कृष्ण भी नाचते थे।

वीडियो में तेजस्वी यादव को एक समर्पित प्रशिक्षु की तरह युवा लड़कों से ट्रेंडी डांस स्टेप्स सीखते हुए देखा जा सकता है, जो उन्हें युवा पीढ़ी का एक सच्चा नेता बनाता है। वीडियो शेयर करते हुए, यादव ने लिखा, '16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा कल गर्मी, बारिश और उमस के बीच संपन्न हुई। रात में, सिंगापुर से मेरे भतीजे ने सुझाव दिया कि हम ड्राइव पर चलें। रास्ते में, हमें कुछ युवा कलाकार मित्र मिले जो गा रहे थे और रील बना रहे थे। उन्होंने हमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए हमने कोशिश की। हम सब मिलकर, युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और आशाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए, जाति और धर्म से ऊपर उठकर, सद्भाव, सरलता और सहजता से काम करेंगे और सरकार में बदलाव के माध्यम से एक नया बिहार बनाने का संकल्प लेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों को निशाना बनाने वाले विरोध प्रदर्शन, विदेश मंत्रालय ने कहा- सरकार नजर रख रही है

नई दिल्ली। भारत सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में हुए प्रवासी-विरोधी प्रदर्शनों पर करीबी नजर रखे हुए है। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों को निशाना बनाया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास लगातार ऑस्ट्रेलियाई सरकार और भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं।

उन्होंने कहा, 'सरकार विदेश में बसे सभी भारतीयों के कल्याण और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की सरकार और वहां के प्रवासी भारतीयों के साथ लगातार जुड़े हुए हैं।'

भारतीय उच्चायोग ने सरकार के सामने अपनी जताई थी चिंता

रविवार को ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े शहरों में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। रणधीर जायसवाल ने बताया कि इन प्रदर्शनों से पहले ही भारतीय उच्चायोग ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के सामने अपनी चिंता जताई थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने स्वीकार किया कि ये प्रदर्शन वहां की विविध और बहु-सांस्कृतिक समाज के लिए चिंता का विषय हो सकते हैं।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की सरकार और विपक्ष के कई वरिष्ठ नेताओं ने बयान जारी कर ऑस्ट्रेलियाई समाज की बहु-सांस्कृतिक पहचान का समर्थन किया। साथ ही, ऑस्ट्रेलिया में बसे भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना भी की।

करीब 10 लाख से अधिक भारतीय ऑस्ट्रेलिया में करते हैं निवास

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 10 लाख से अधिक है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जिसे दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंध और विश्वास और गहरा करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत हमेशा मानता है कि विविधता ही शक्ति है। हम ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने गहरे संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

सुबह-सुबह फिर डोली धरती, 24 घंटे में तीसरा झटका, दहशत में लोग

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा। आज तड़के 3:16 बजे, देश के पूर्वी हिस्से में 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह झटका बीते 24 घंटों में तीसरा था। इससे पहले गुरुवार देर रात को 6.2 तीव्रता और बुधवार को 4.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था। इन लगातार झटकों ने न सिर्फ पहले से चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों को बाधित किया है, बल्कि लोगों में दहशत का माहौल भी बना दिया है। अफगानिस्तान अब गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है।

31 अगस्त की रात, अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई थी। भूकंप का केंद्र जलालाबाद से 27 किलोमीटर दूर, जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। यह झटका इतना तेज था कि इसके प्रभाव पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद तक महसूस किए गए, जो करीब 400 किलोमीटर दूर है।

तालिबान सरकार के अनुसार, इस भूकंप से कम से कम 2, 205 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3, 600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है क्योंकि मलबे में फंसे शवों को निकाला जा रहा है। भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अधिकतर मकान मिट्टी, कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने थे, जो झटकों को सहन नहीं कर पाए और पूरी तरह ढह गए। कुनार, नंगरहार, लगमन, नूरिस्तान जैसे प्रांतों में कई गांव पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गए। अधिकतर प्रभावित इलाके पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां लोग नदी की घाटियों में रहते हैं।

ओयो का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 200 करोड़ रुपये, 1:1 बोनस शेयर का प्रस्ताव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शीर्ष प्रबंधन को भेजे एक ईमेल में बताया कि मजबूत राजस्व वृद्धि से पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 200 करोड़ रुपये रहा। इस ईमेल की प्रति 'पीटीआई-भाषा' के पास मौजूद है।

इसके अनुसार, अप्रैल-जून की अवधि में कंपनी का राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 2, 019 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 1, 371 करोड़ रुपये था। अग्रवाल ने ईमेल में कहा कि राजस्व वृद्धि की मुख्य वजह होटल 'इन्वेंट्री' का प्रीमियमीकरण और कमरों का बेहतर उपयोग है।

ओयो ने पिछले वर्ष की इसी (अप्रैल-जून) तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में

कंपनी ने 1:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी मांगी है, जिससे इसकी अधिकृत शेयर पूंजी दोगुनी होकर 24, 31, 13, 59, 300 रुपये हो जाएगी। इसने ईएसओपी पूल को 8.8 करोड़ शेयर के विकल्प तक बढ़ाने का भी प्रस्ताव दिया है।

शेयरधारकों को दी गई सूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ऋण चुकौती के कारण एकमुश्त असाधारण लागत को समायोजित करने के बाद ओयो का शुद्ध लाभ 245 करोड़ रुपये रहा।

शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा गया कि ओयो प्रीमियमीकरण को आगे बढ़ा रहा है, " साथ ही मूल्य खंड पर अपना मजबूत ध्यान बनाए रखते हुए, ग्राहकों की व्यापक आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।"' पीटीआई-भाषा' के पास मौजूद शेयरधारकों को भेजी अधिसूचना के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओयो ने 16, 250 करोड़ रुपये के बुकिंग मूल्य (जीबीवी) और 6, 252 करोड़ रुपये तक के राजस्व के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया।

मई में 'पीटीआई-भाषा' ने बताया था कि ओयो वित्त वर्ष 2024-25 में 623 करोड़ रुपये के कर के बाद लाभ के साथ सबसे अधिक लाभदायक भारतीय स्टार्टअप बन गया है। यह इसके एकमुश्त असाधारण ऋण चुकौती लागत को शामिल किए बिना है।

दुनिया के पहले खरबपति बन सकते है एलोन मस्क, टेस्ला ने पेश किया ऐतिहासिक वेतन पैकेज

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। टेस्ला के शेयरधारकों के सामने रखा गया एक नया प्रस्ताव एलोन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बना सकता है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि कंपनी भविष्य में कुछ महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल कर लेती है, तो मस्क को अभूतपूर्व मात्रा में टेस्ला के शेयर मिल सकते हैं। इस प्रस्तावित वेतन पैकेज के तहत मस्क को 423.7 मिलियन अतिरिक्त टेस्ला शेयर दिए जा सकते हैं, जिनकी वर्तमान बाजार कीमत के अनुसार कुल वैल्यू 143.5 अरब डॉलर है। हालांकि, ये शेयर तभी मिलेंगे जब कंपनी की मार्केट वैल्यू में जबरदस्त वृद्धि होगी। एलोन मस्क को यह पूरा शेयर पैकेज तभी मिलेगा, जब टेस्ला का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 8.5 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में टेस्ला की वैल्यू 1.1 ट्रिलियन है, यानी उसे सात गुना से अधिक की छलांग लगानी होगी। यह आंकड़ा एनवीडिया की मौजूदा मार्केट वैल्यू से करीब दोगुना है, जो इस समय दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी है। टेस्ला के इस प्रस्ताव के साथ एक और सुझाव सामने आया है- कि कंपनी एक्सएआई में निवेश करे। एक्सएआई एलोन मस्क की निजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी है। अगर यह प्रस्ताव पारित होता है, तो मस्क को अपने व्यापारिक साम्राज्य को और मजबूत करने का मौका मिल सकता है। बता दें कि हाल ही में एक्सएआई ने ट्विटर को खरीद लिया है – वही प्लेटफॉर्म जिसे मस्क ने 2022 में 44 अरब डॉलर की निजी राशि से खरीदा था।

भारत को खत्म करने का समय आ गया है

देश के खिलाफ साजिश रच रहा था विदेशी नेता, मोदी सरकार ने अकाउंट किया ब्लॉक

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए ऑस्ट्रिया के नेता और अर्थशास्त्री गुंथर फेहलिंगर का भारत में सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। दरअसल, उन्होंने हाल ही में एक विवादित पोस्ट में भारत को तोड़ने और 'एक्सइंडिया' बनाने की बात कही थी।

फेहलिंगर ने खालिस्तानी समर्थकों के साथ बातचीत के दौरान खालिस्तान का नक्शा साझा किया और लिखा कि भारत को खत्म करने का समय आ गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के करीबी हैं और खालिस्तान की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।

गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस पोस्ट को गंभीर मानते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अकाउंट ब्लॉक करने के निर्देश दिए। इसके बाद भारत में फेहलिंगर का अकाउंट डिसेबल कर दिया गया।

जब विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या इस मुद्दे को ऑस्ट्रिया सरकार के सामने उठाया जाएगा, तो एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 'उन्हें इतनी अहमियत क्यों दी जाए? वह सिर्फ एक पागल व्यक्ति हैं और किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं।'

फेहलिंगर की पोस्ट के बाद भारतीय यूजर्स ने सोशल मीडिया पर कड़ी नाराज़गी जताई। कई लोगों ने इसे भारत की संप्रभुता और एकता पर सीधा हमला बताया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2024 में ऑस्ट्रिया का ऐतिहासिक दौरा किया था। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 41 साल बाद की पहली यात्रा थी

ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने दिया इस्तीफा, टैक्स विवाद ने मचाई हलचल

लंदन **(एजेंसी)**। ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने संपत्ति कर यानी टैक्स से जुड़ी गलती स्वीकार करने के बाद शुक्रवार को अपना इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की लेबर सरकार के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ है। रेनर ने कहा कि उन्होंने एक स्वतंत्र जाँच की रिपोर्ट मिलने के बाद इस्तीफा देने का फैसला किया है। इस रिपोर्ट में यह पाया गया कि उन्होंने कानूनी सलाह की पूरी सावधानी नहीं बरती और मंत्रिस्तरीय संहिता का उल्लंघन किया।

एंजेला रेनर पर यह आरोप था कि उन्होंने संपत्ति कर का भुगतान सही तरीके से नहीं किया। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने कई बार सफाई दी थी, लेकिन स्वतंत्र जांच में उनके खिलाफ पाया गया कि उन्होंने प्राप्त कानूनी सलाह को ठीक से नहीं समझा और उसका पालन नहीं किया। इस कारण वे मंत्रिस्तरीय संहिता के नियमों के उल्लंघन में शामिल मानी गईं।

रेनर का इस्तीफा ब्रिटेन की लेबर सरकार के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। वे सरकार की दूसरी सबसे बड़ी नेता थीं और उनके इस्तीफे से सरकार की छवि पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है और कहा है कि वे स्थिति को संभालने के लिए पूरी कोशिश करेंगे।

हताश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- हमने रूस और भारत को खो दिया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तहलका मचा दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने भारत और रूस को अपनी पकड़ से खो दिया है और दोनों देश अब चीन के बढ़ते प्रभाव के अधीन आ गए हैं।

ट्रंप ने ट्विट कर लिखा, 'लगता है हमने भारत और रूस को खो दिया है – और वो अब सबसे गहरे, सबसे अंधेरे चीन के साथ जा मिले हैं। खैर, ईश्वर करे उनकी जोड़ी लंबे समय तक चले और खूब फलती-फूलती रहे!' यह टिप्पणी उन्होंने इस सप्ताह चीन के तियांजिन में हुई शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद की।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के शी जिनपिंग की एक तस्वीर भी साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'लगता है हमने भारत और रूस को गहरे और अंधेरे चीन को सौंप दिया है। ईश्वर करें उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो।'

इस सप्ताह की शुरुआत में तियांजिन में विश्व के कई प्रमुख नेताओं ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक को खासतौर पर ट्रंप की भारत के खिलाफ कड़ी टैरिफ नीतियों के प्रति चुनौती के रूप में देखा गया। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन के बीच दिखाए गए दोस्ताना और मजबूत संबंधों ने वैश्विक मंच पर खासा ध्यान खींचा, खासकर पश्चिमी देशों में।

विशेषज्ञों ने इस बैठक को 'वैश्विक सत्ता के समीकरणों में नाटकीय बदलाव' के रूप में भी बताया है। भारत, रूस और चीन के बीच बढ़ती निकटता ने अमेरिका के रणनीतिक प्रभुत्व को चुनौती दी है, जिसे ट्रंप ने अपने बयान में भी स्वीकार किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालय: 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)